धनबाद, मंगलवार
10 मार्च 2026
वर्ष : 03 अंक : 158
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

महाराष्ट्र में नए ऑटो रिक्शा परमिट पर लगी रोक

मुंबई, (एजेंसी) : महाराष्ट्र में नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। प्रदेश के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को बताया कि सूबे में आज से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। सरनाईक ने कहा कि नए ऑटो रिक्शा परमिट के लिए नई पॉलिसी बनाई जाएगी। इसके बाद फिर से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने का निर्णय लिया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने मुंबई में मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य के बड़े शहरों में ऑटो रिक्शा की संख्या काफी बढ़ गई है, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। खासकर मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में रिक्शा की बढ़ती संख्या से ट्रैफिक पर काफी दबाव पड़ रहा है। इसे देखते हुए राज्य में ऑटो रिक्शा का परमिट जारी नहीं करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि ऑटो रिक्शा के परमिट का हस्तांतरण पूर्ववत किया जा सकता है। प्रताप सरनाईक ने कहा कि इस संबंध में महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार से बातचीत की थी।

टी 20 विश्वकप जीतने पर राज्यसभा में भारतीय टीम को दी गई बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी) : टी20 विश्व कप में मिली खिताबी जीत पर सोमवार को राज्यसभा में भारतीय टीम को बधाई दी गयी।सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा सदस्यों की तरफ से विजेता भारतीय टीम को बधाई देते हुए जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए गर्व की बात है कि भारतीय टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। यह तीसरी बार है जब भारत ने टूनार्मेंट का खिताब अपने नाम किया है। दिलचस्प बात है कि लगातार दूसरी बार टीम ने ऐसा किया है क्योंकि भारत ने इससे पहले संस्करण में भी ट्रॉफी अपने नाम की थी। राधाकृष्णन ने कहा कि यह जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि भारत पहला देश है जो अपनी मेजबानी में टी20 विश्व कप का विजेता बना है। पूरे टूनार्मेंट के दौरान टीम के शानदार प्रदर्शन ने देशभर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को अपार खुशी और गर्व का अनुभव कराया है।.

ग्रामीण उद्यमियों के उत्पादों को बेहतर मंच देने के लिए अन्य जिलों में भी लगेगा सरस मेला : मंत्री

रांची, (एजेंसी) : रांची के मोरहाबादी मैदान में सोमवार को राजकीय हस्तकरघा और सरस मेला का भव्य शुभारंभ सोमवार को किया गया। सरस मेला का उद्घाटन उद्योग मंत्री संजय यादव और ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने संयुक्त रूप से किया। यह मेला 09 मार्च से 20 मार्च तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए कारीगरों और उद्यमियों के करीब 620 स्टॉल लगाए गए हैं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।मेले में झारखंड सहित देश के कई राज्यों के हस्तकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की विविधता देखने को मिल रही है। यहां पारंपरिक वस्त्र, तसर और सिल्क के परिधान, हैंडलूम साड़ियां, लकड़ी और बांस से बने उत्पाद, जूट के सामान, हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुएं, घरेलू उपयोग की चीजें और कई तरह के पारंपरिक उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं।ऐसे मेलों के जरिए हुनर को प्रदर्शित करने का मौकाइस मेले में झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों से

आए स्वयं सहायता समूहों और कारीगरों को भी अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने का अवसर मिला है।मेला शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोग मोरहाबादी मैदान पहुंच रहे हैं और विभिन्न स्टॉलों पर खरीदारी कर रहे हैं। राजधानी के लोगों के लिए यह मेला खरीदारी के साथ-साथ पारंपरिक कला और संस्कृति से जुड़ने का भी अवसर बन गया है। मेले में अलग-अलग राज्यों की झलक देखने को मिल रही है, जहां कारीगर अपने-अपने क्षेत्र की विशेष कला और उत्पादों को लेकर पहुंचे हैं।मेले में पहुंचे कई उद्यमियों और कारीगरों का कहना है कि इस तरह के आयोजन उनके लिए बेहद फायदेमंद साबित होते हैं। उन्हें अपने उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने और नए बाजार से जुड़ने का अवसर मिलता है। इससे उनकी आय बढ़ने के साथ-साथ उनकी कला को भी पहचान मिलती है।

वहीं कई कारीगरों का कहना है कि ऐसे मेलों के जरिए उन्हें अपने हुनर को प्रदर्शित करने और नए ग्राहक बनाने का मौका मिलता है, इससे उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार हस्तशिल्प, हस्तकरघा और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि झारखंड के ग्रामीण कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों की ओर से तैयार किए जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता काफी अच्छी है और उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार काम कर रही है।उन्होंने यह भी कहा कि रांची में इस तरह के आयोजनों की सफलता को देखते हुए राज्य के अन्य जिलों में भी सरस मेला और हस्तकरघा मेले आयोजित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण उद्यमियों और कारीगरों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर मंच मिल सके।मंत्री ने कहा कि यह मेला उद्यमियों के लिए जहां लाभकारी साबित हो रहा है, वहीं खरीदारी करने वाले लोगों के लिए भी एक नया अनुभव है। यहां देश के विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प और लघु उद्योग उत्पादों का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है।

भारत पश्चिम एशिया में शांति पूर्ण समाधान का पक्षधर, भारत के राष्ट्रीय हित, नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: जयशंकर

नयी दिल्ली (एजेंसी) : भारत ने सोमवार को दोहराया कि वह पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति में संयम, संवाद और कूटनीतिक के रास्ते से समाधान के पक्ष में है और उसके लिए भारतीय समुदाय के लोगों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा सुरक्षा सहित राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथिमकताएं हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के विरुद्ध अमेरिका और इजराइल की लड़ाई से उत्पन्न स्थित पर संसद के दोनों सदनों में स्वतः दिये गए बयानों में आश्वासन दिया है कि क्षेत्र में फंसे भारत के लोगों, ट्रांज़िट यात्रियों और तुरंत वापस आने की इच्छा रखने वाले भारतीयों की मदद के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उनके बयान के दौरान दोनों सदनों में विपक्ष ने हंगामा करते हुए बहिर्गमन किया।

विदेश मंत्री ने पश्चिम एशिया के बारे में भारत के दृष्टिकोण के तीन मार्गदर्शक सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा , ' भारत शांति का पक्षधर है और संवाद व कूटनीति की वापसी का समर्थन करता है। हम तनाव कम करने, संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की वकालत करते हैं।'

दूसरे सिद्धांत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, (पश्चिम एशिया) क्षेत्र में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए हम क्षेत्र की सरकारों के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

विदेश मंत्री ने कहा कि तीसरा सिद्धांत यह है, हमारे राष्ट्रीय हित - जिसमें ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार- प्रवाह शामिल हैं- हमेशा सर्वोपरि रहेंगे।विपक्ष ने दोनों सदनों में विदेश मंत्री के बयान के दौरान हंगामा किया। विपक्ष ने पहले श्री जयशंकर के राज्य सभा में इस बयान के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण देश के समक्ष ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियों पर नियम 176 के तहत चर्चा कराने की मांग को लेकर सदन से बहिर्गमन किया।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने युद्ध छिड़ने के पहले दिन 28 फरवरी को एक बयान जारी कर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की थी और सभी पक्षों से संयम बरतने, स्थिति को और न बिगाड़ने तथा नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की थी। उन्होंने कहा, हमारा मानना था और आज भी है कि तनाव कम करने और मूल समस्याओं के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का मार्ग अपनाया जाना चाहिए। साथ ही, यह भी आवश्यक है कि क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाए।

लोक सभा में पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष का हंगामा, अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर नहीं हो पायी चर्चा

नयी दिल्ली, (एजेंसी) : अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया के बिगड़े हालात पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोक सभा की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। इसके कारण आज की कार्यसूची में होने के बावजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हो सकी।

एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होते ही विपक्षी सदस्य पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग को लेकर फिर से हंगामा करने लगे। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) के सदस्य अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर शोरगुल करने लगे। अपनी मांगों के समर्थन में कई सदस्य तख्तियां भी लिये हुए थे। कई सदस्य सदन के बीचोबीच आकर नारेबाजी कर रहे थे। कांग्रेस के मोहम्मद जावेद

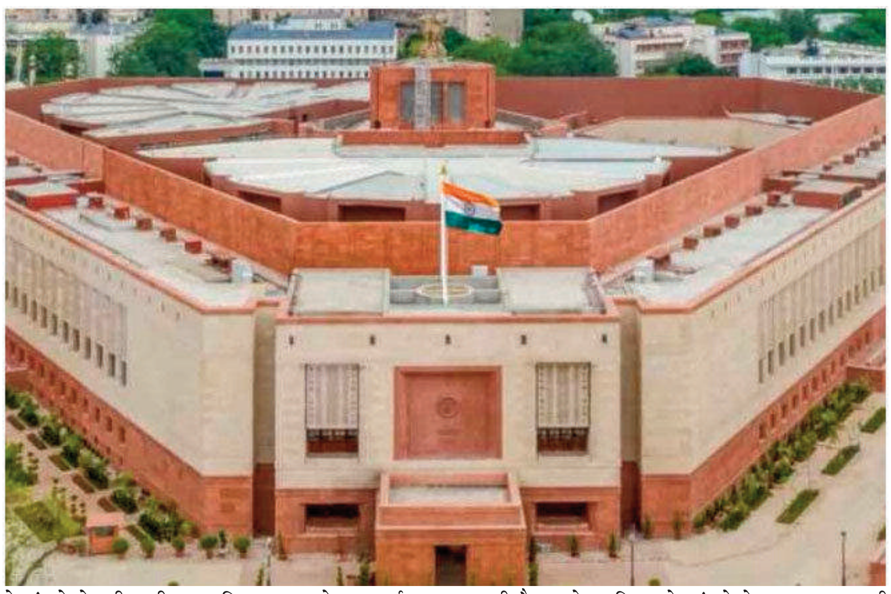

ने हंगामे के बीच ही कहा कि 50 लाख से अधिक भारतीय खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं जो एक बहुत गंभीर मुद्दा है और इस पर तत्काल चर्चा करायी जानी चाहिए। कुछ सदस्य कह रहे थे कि पेट्रोल और डीजल का संकट शुरू हो गया है, अतः इस मुद्दे पर चर्चा कराना जरूरी है। इससे पहले इसी मांग को लेकर हंगामे के कारण दोपहर 12 बजे कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी थी। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा आज की कार्यसूची में दर्ज थी लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित होने से इस पर चर्चा नहीं करायी जा सकी। पीठासीन जगदंबिका पाल ने सदस्यों से अपने-अपने स्थानों पर जाकर कार्यसूची के अनुरूप सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग देने का बार-बार आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोक सभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा कराने के लिए वह तैयार हैं। श्री जावेद को इस संबंध में अपना प्रस्ताव पेश करना चाहिए। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा कि वे अपने ही प्रस्ताव पर चर्चा कराने में रुचि नहीं ले रहे हैं। उन्होंने श्री जावेद से बार-बार अपना प्रस्ताव पेश करने को कहा, लेकिन वह पश्चिम एशिया की स्थिति पर ही चर्चा कराने की मांग पर जोर देते रहे। श्री पाल ने कहा कि विपक्ष की ओर से लोक सभा अध्यक्ष के खिलाफ लाये गये प्रस्ताव पर आज चर्चा शुरू कर देनी चाहिए। श्री बिरला ने उ खिलाफ लाये गये प्रस्ताव के बाद से सदन में न आने का फैसला लिया है। सदन को इस पर जल्दी चर्चा कर लेनी चाहिए। अध्यक्ष इस सदन के संरक्षक है, उन्होंने उच्च मानदंडों का अनुकरण करते हुए प्रस्ताव के निस्तारण तक सदन में न आने का फैसला किया है।

हंगामा कर रहे सदस्यों पर श्री पाल के आग्रह का कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने शोरशराबा और तेज

मुख्यमंत्री से पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव की शिष्टाचार भेंट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शिष्टाचार भेंट की।इस दौरान प्रधान सचिव ने मुख्यमंत्री को विभाग के आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की प्रति भेंट की। साथ ही उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान विभाग द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति प्रतिवेदन की जानकारी दी।प्रधान सचिव ने मुख्यमंत्री को वर्ष 2026-27 के लिए तैयार की गई विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की रूपरेखा से भी अवगत कराया तथा विभाग की प्राथमिकताओं और आगामी कार्य योजनाओं पर संक्षिप्त चर्चा की।

मुख्यमंत्री से झारखंड विधानसभा की महिला सदस्यों ने की मुलाकात

दी महिला दिवस की शुभकामनाएं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में झारखंड विधानसभा की महिला सदस्यों ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी सदस्यों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित सभी महिला सदस्यों को सम्मानित किया और राज्य के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया।मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अनेक योजनाएँ संचालित कर रही है। इस दौरान विधानसभा की महिला सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं और राज्य में महिलाओं के उत्थान, सुरक्षा तथा सशक्तिकरण से संबंधित विषयों पर अपने सुझाव साझा किए।

कूनो में जन्मे पांच चीता शावक, चीतों की संख्या हुई 53

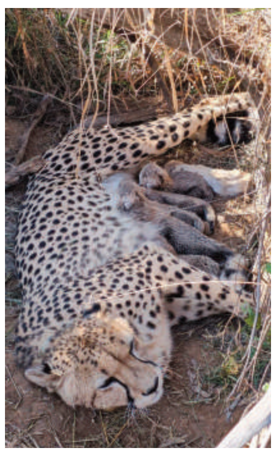

श्योपुर , (एजेंसी) :मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में चंबल घाटी के सघन वनक्षेत्र के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है और सोमवार को पांच शावकों के जन्म लेने के साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या 53 हो गई है।

देश में चीता परियोजना के लिए केन्द्र सरकार द्वारा चुने गये पहले अभयारण्य कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला तीसरी बार मां बनी है। ज्वाला ने सोमवार 9 मार्च को पांच नन्हें शावकों को जन्म दिया है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में यह खुशी भरा पल भारतीय धरती पर चीतों के दसवें सफल प्रसव का प्रतीक है और इसके साथ ही भारत में जन्मे जीवित शावकों की संख्या 32 हो गई है। इन नए शावकों के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या अब 53 हो गई है। जो देश के दृढ़ और ऐतिहासिक संरक्षण प्रयासों का एक सशक्त प्रतीक है।नामीबियाई चीता ज्वाला चीता को वर्ष 2022 में 8 चीतों के साथ कूनो राष्ट्रीय उद्यान लाया गया था जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यहां छोड़ा गया था। ज्वाला अब तीन बार शावकों को जन्म देकर भारतीय चीतों का कुनबा बढा चुकी है। मादा चीता ज्वाला ने वर्ष 2023 में पहली बार चार शवकों को जन्म दिया था, इसके बाद जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म दिया था। हालांकि इनमें से कुछ शावकों की मौत हो गई थी, लेकिन अब तीसरी बार ज्वाला ने 9 मार्च 2026 को पांच शावक जन्में हैं। कूनो प्रबंधन के अनुसार सभी शावक स्वस्थ है, जिनकी चिकित्सकों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव में मादा चीता ज्वाला द्वारा शावकों के जन्म की खबर को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा है कि मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया है, जो चीता परियोजना के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके साथ ही, भारत में चीतों की कुल संख्या पचास का आंकड़ा पार कर 53 हो गई है। यह वन्यजीव संरक्षण के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है और भारत में चीता पुनर्वास प्रयासों की सफलता का एक सशक्त प्रमाण है।

पश्चिम बंगाल से राज्यसभा के लिए तृणमूल के चार और भाजपा से एक उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल से राज्यसभा के लिए पांच उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। सोमवार को इन सभी को निर्वाचन अधिकारियों की ओर से विजयी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

निर्वाचित उम्मीदवारों में तृणमूल कांग्रेस के राजीव कुमार, बाबुल सुप्रियो, कोयल मल्लिक और मेनका गुरुस्वामी शामिल हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी के राहुल सिन्हा भी राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

सोमवार को कोलकाता में चुनाव आयोग की ओर से राजीव कुमार, बाबुल सुप्रियो, कोयल मल्लिक और राहुल सिन्हा ने अपने-अपने विजयी प्रमाणपत्र प्राप्त किए, जबकि मेनका गुरुस्वामी की ओर से राज्य के मंत्री अरूप विश्वास ने प्रमाणपत्र ग्रहण किया।

पिछले कुछ दिनों से कोयल मल्लिक के सक्रिय राजनीति में आने को लेकर काफी चर्चा हो रही थी। गुरुवार को वह अपने पति के साथ राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने पहुंची थीं। उस समय उन्होंने कहा था कि यदि उन्हें सभी का आशीर्वाद और समर्थन मिला तो वह अपनी जिम्मेदारी निभाने का पूरा प्रयास करेंगी।इसी दिन बाबुल सुप्रियो ने भी अपना नामांकन दाखिल किया था, जबकि मेनका गुरुस्वामी भी नामांकन प्रक्रिया में शामिल हुई थीं।

कोयला घोटाला मामले में धनबाद के कोयला कारोबारी एलबी सिंह से ईडी की पूछताछ

रांची, (एजेंसी) : धनबाद के प्रसिद्ध कोयला व्यापारी एलबी सिंह से सोमवार को रांची स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। ईडी द्वारा जारी समन के आधार पर वे पूछताछ के लिए कार्यालय पहुंचे, जहां आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद अधिकारियों ने उनसे कोयला घोटाले से जुड़े मामलों और उनकी व्यापारिक गतिविधियों के संबंध में सवाल-जवाब शुरू किया।

ईडी ने कोयला घोटाले की जांच के दौरान की गई छापेमारी और अन्य कोयला व्यापारियों से पूछताछ में मिले तथ्यों के आधार पर एलबी सिंह को समन जारी किया था। पहली बार नोटिस मिलने के बाद एलबी सिंह ने अपनी बीमारी का हवाला देते हुए ईडी से पेश होने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। इसके बाद ईडी ने उन्हें आज (9 मार्च) को रांची कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया था।जारी समन के अनुसार, एलबी सिंह रांची स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। वहां उनकी उपस्थिति दर्ज करने और जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईडी अधिकारियों ने उनसे कोयला कारोबार और कथित घोटाले से जुड़े पहलुओं पर पूछताछ शुरू कर दी।उल्लेखनीय है कि हाल ही में झारखंड और कोलकाता में ईडी की टीमों ने एक साथ कई स्थानों पर छापेमारी की थी। कोलकाता ईडी ने कथित कोयला सिंडिकेट से जुड़े अनुप माझी उर्फ लाला के सहयोगियों के ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जबकि झारखंड में धनबाद के चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह सहित कई अन्य कारोबारियों के ठिकानों पर छापे मारे गए थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियों को शक है कि झारखंड के कुछ कोयला व्यापारी भी लाला के कोयला सिंडिकेट से जुड़े हो सकते हैं। इसी कड़ी में ईडी अब संबंधित कारोबारियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और लेन-देन की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

मुख्यमंत्री से केंद्रीय सरना समिति, कांके के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से विधान सभा स्थित उनके कक्ष में केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी सरहुल पूजा की 47वीं वर्ष पूर्व संध्या के अवसर पर आयोजित झारखंड स्तरीय नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। यह कार्यक्रम 19 मार्च 2026, दिन गुरुवार को सरना मैदान, कांके में आयोजित किया जाएगा।इस अवसर पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष श्री रंजीत टोप्पो, सचिव श्री सूरज टोप्पो, संरक्षक श्री सुमित टोप्पो, श्रीमती फूलमनी टोप्पो, श्री मोहन उरांव, श्री पेपला पहान, श्रीमती गुड़िया टोप्पो एवं श्री मनीष कुमार उपस्थित थे। इस मौके पर विधायक श्री राजेश कच्छप एवं श्री सुरेश कुमार बैठा भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

जमानत के दुरुपयोग मामले में 30 दिन जेल काटने के बाद सशर्त जमानत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े एक मामले में अदालत ने आरोपी मनोज पांडेय को फिर से जमानत दे दी है। यह आदेश अपर न्यायायुक्त एके तिवारी की अदालत ने सोमवार को पारित किया। अदालत ने आरोपी को 10 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानतदारों पर जमानत देने का निर्देश दिया है। साथ ही शर्त रखी गई है कि आरोपी मुकदमे के निपटारे तक हर तारीख पर अदालत में शारीरिक रूप से उपस्थित रहेगा। यह मामला एनडीपीएस केस संख्या 66/2021 से जुड़ा है। जमानत पर चल रहे आरोपी ने 8 जुलाई 2025 को अदालत में उपस्थित नहीं हुआ।इसके कारण उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। आरोपी ने बीते 5 फरवरी को अदालत में सरेंडर किया था।

डीएसपीएमयू में शिक्षकेतर कर्मचारियों की पूर्ण हड़ताल शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के शिक्षकेतर कर्मचारियों ने लंबित एसीपी /एमएसीपी भुगतान की मांग को लेकर अपना आंदोलन तेज करते हुए सोमवार से पूर्ण हड़ताल की शुरूआत कर दी। शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के आह्वान पर कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कार्य बहिष्कार करते हुए आंदोलन जारी रखा। संघ के महासचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षकेतर कर्मचारियों ने पिछले 14 दिनों से कलमबंद आंदोलन चलाया, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई ठोस और सकारात्मक पहल नहीं किए जाने के कारण मजबूर होकर पूर्ण हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा। वहीं, कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलनरत हैं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन की उदासीनता के कारण आंदोलन को और तेज करना पड़ा।

हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने विभिन्न विभागों में जाकर बंदी कराई और सभी प्रकार के कार्यों का बहिष्कार किया। हालांकि, विद्यार्थियों को असुविधा से बचाने के लिए एमबीए विभाग में चल रही मिड सेमेस्टर परीक्षा को बिना बाधा के संपन्न होने दिया गया। परीक्षा समाप्त होने के बाद एमबीए विभाग को भी बंद करा दिया गया। कर्मचारी संघ ने स्पष्ट कहा है कि जब तक कर्मचारियों के लंबित एमएसीपी भुगतान की मांग पूरी नहीं होती, तब तक यह आंदोलन अनिश्चितकालीन रूप से जारी रहेगा। संघ ने विश्वविद्यालय प्रशासन को इस स्थिति के लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अगर समय रहते सकारात्मक पहल की जाती, तो कर्मचारियों को इस तरह का कठोर कदम उठाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। आंदोलन में शैलेंद्र कुमार, उदय प्रसाद, संदीप कुमार, मनोज कुमार, अजीत दत्त, तारापद महतो, महावीर मुंडा, मंगल उरांव, प्रियंका समेत कई लोग मौजूद थे।

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन, 11 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : चतरा में संचालित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के तत्वावधान में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 11 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला शाखा प्रबंधक दीपक झा ने कहा कि ्रक्तदान महादान है और इससे बढ़कर कोई पुण्य का कार्य नहीं है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से समय-समय पर रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि कई लोग रक्तदान से डरते हैं और उन्हें लगता है कि इससे शरीर में कमजोरी आ जाती है, जबकि वास्तव में रक्तदान के कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं।उन्होंने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है, इसलिए समाज के हर स्वस्थ व्यक्ति को इस पुनीत कार्य में आगे आना चाहिए। इस अवसर पर कौशल केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। साथ ही प्लेसमेंट के तहत कई प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। रक्तदान शिविर में एमपीडब्ल्यू रत्नेश कुमार, निर्भय कुमार, एलटी विजय कुमार, सुमन कुमारी तथा एएनएम जयंती भेलेट तिर्की सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

महिला का सिर कटा शव बरामद,होली फैमिली हॉस्पिटल के समीप बाउंड्री वॉल के अंदर पड़ा था शव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत होली फैमिली हॉस्पिटल के समीप सोमवार को एक महिला का सिर कटा शव अर्धनग्न अवस्था में बरामद हुआ।सिर कटा शव मिलने से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गयी।आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कर शव को यहां फेंक दिया गया है।जानकारी के अनुसार जेजे कॉलेज के कुछ कर्मी सोमवार की दोपहर करीब 3 बजे चाय पीने के लिए होली फैमिली के समीप स्थित चाय की दुकान में गए थे।इसी दौरान उन्हें कुछ बदबू महसूस हुई। उन्होंने आसपास खोजबीन की तो पाया कि चाय की दुकान से सटे बाउंड्री वॉल के अंदर बिना सिर के एक शव पड़ा हुआ है।ऐसे में इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी गई। देखते ही देखते वहां काफी संख्या में लोग जमा हो गए।दूसरी ओर सूचना मिलते ही कोडरमा पुलिस मौके पर पहुंची और शव के शिनाख्त में जुट गयी। शव को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि शव कई दिनों से उक्त स्थान पर पड़ा हुआ था।उसमें कीड़े तक पड गए थे और काफी दुर्गंध भी आ रही थी।कोडरमा थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान ने बताया कि शव का सिर नहीं हो पाने के कारण फिलहाल उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है।उन्होंने बताया कि फिलहाल कोडरमा थाना में किसी भी महिला या पुरुष के लापता संबंधित कोई मामला दर्ज नहीं है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।साथ ही आसपास के थानों में इसकी सूचना देकर पहचान की कोशिश की जा रही है।

महिला सशक्तिकरण पर सेमिनार आयोजित, डॉ स्पार्कलीन देई ने कहा,महिलाएं हुई हैं सशक्त और सबल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : महिला महाविद्यालय सरायकेला खरसावां में एनएसएस और आईसीसी के संयुक्त तत्त्वधान में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोमवार को सेमिनार महिला सशक्तिकरण पर आयोजित की गयी। सेमिनार को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ स्पार्कलीन देई ने पहले के अपेक्षा वर्तमान समय में महिलाएं काफी सशक्त और सबल हुई है।आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। पहले जहां महिलाओं को दबाया और आगे बढ़ने से रोका जाता था, आज ठीक इसके विपरीत महिलाओं को आगे बढ़ाने में परिवार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।डॉ स्पार्कलीन देई ने कहा कि प्राचीन काल में उदाहरण मिलते है, जिससे पता चलता है कि महिलाओं में बाल विवाह, पर्दा प्रथा, भ्रूण हत्त्या जैसी बुराइयाँ व्याप्त थी। मध्यकाल में भी पर्दा प्रथा काफी ज्यादा प्रचलित था। बाल विवाह होता था। महिलाओं को उचित शिक्षा नसीब नहीं हो पाती थी लेकिन वर्तमान समय में इन सब बुराइयों पर रोक पाया जा चुका है। वर्तमान दौरन की महिलाएं खेल, प्रशासनिक, विज्ञान, कला, शोध, नवाचार, उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है उन्होंने महिला क्रिकेट विश्व में भारतीय महिला टीम के प्रदर्शन का उदाहरण देकर बताए कि पहले क्रिकेट में महिला टीम का चर्चा नहीं होता था, लेकिन हमारे देश की बिटिया ने वर्ल्ड कप जीत कर देश को फिर से अपने बेटियों पर गर्व महसूस होने का अवसर प्रदान किया।उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए सलाह दिए कि महिलाओं में क्षमताएं कूट- कूट कर भरी है। अपने आप को जानने की आवश्यकता है और मेहनत करके राज्य और देश को आगे ले जाने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। मौके पर इतिहास विभाग की शिक्षिका हेमा सुजात लकड़ा ने भी छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किए।भूगोल विभाग की शिक्षिका प्रेमा नूतन गाड़ी ने भी कविता के माध्यम से महिला सशक्तिकारण के बारे में अपने विचार साझा किए।हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉ० श्वेता लता ने कविता सुनाकर महिला सशक्तिकारण के विषय में बताए।इतिहास विभाग के शिक्षाक डॉ० चंद्रशेखर राय ने प्राचीन सभ्यता,सिंधु घाटी सभ्यता में महिलाओं की स्थिति के विषय में बताए।उन्होंने वर्तमान समय में उदाहरण देकर यह बताने का प्रयास किए कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है।उन्होंने छात्राओं को सलाह दिए कि आगे बढ़ने के लिए पहले लक्ष्य का निर्धारण अवश्य करें। महाविद्यालय की छात्राएं साबिता दिग्गी, सर्मिला सम्मद, सोनाली देवगम, संध्यावती सरदार ने भी अपने विचार रखे।मंच का संचालन राजनीतिक विभाग की छात्रा बसंती हेम्ब्रम ने की तथा धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉ० श्वेता लता ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय की सभी छात्राएं उपस्थित थे।

बस संघ का बड़ा फैसला: मंगलवार से दुमका बस स्टैंड से बसों का परिचालन बंद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : दुमका में मंगलवार से बसों का परिचालन पूरी तरह ठप रहेगा। संताल परगना मोटर मजदूर संघ ने अपने अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह पर हुए जानलेवा हमले के आरोपियों की अबतक गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया है। इस फैसले के बाद अटल बिहारी वाजपेयी बस पड़ाव से चलने वाली सभी बसें कल से बंद रहेंगी।गौरतलब है कि 24 फरवरी की सुबह करीब 6 बजकर 10 मिनट पर डीआईजी कार्यालय के सामने बाइक सवार दो अपराधियों ने अरुण कुमार सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया था। गोली लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका में भर्ती कराया गया था, जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें आसनसोल रेफर कर दिया गया था। संघ के सदस्यों का कहना है कि घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी हमलावरों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। इससे बस कर्मियों में आक्रोश है और वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।बस संघ ने दुमका के एसपी को ज्ञापन सौंपकर जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण संघ ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है।संघ का यह भी कहना है कि बस स्टैंड परिसर में शाम होते ही असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने लगता है और सीसीटीवी कैमरों की कमी के कारण सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है।दुमका बस पड़ाव से संताल परगना के विभिन्न क्षेत्रों के लिए बसें चलती हैं। ऐसे में कल से बसों के बंद होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अब सबकी नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है कि आखिर कब तक आरोपियों की गिरफ्तारी होती है और बस सेवा बहाल होती है।

जमीन मामले में हत्या के 5 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जमीन मामले में हुई हत्या के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक ब्लू रंग का अपाची मोटरसाइकिल और एक देशी कट्टा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में विकाश महतो (26 वर्ष), बिनोद महतो उर्फ अजीत महतो (23 वर्ष), रामप्रसाद महतो उर्फ छोटू (23 वर्ष), सिकन्दर महतो उर्फ सचिन महतो (28 वर्ष) और रामू महतो (24 वर्ष) शामिल हैं।पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी टिमड़ा गांव में हत्या के आरोपी अपने घरों में छिपे हुए हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक छापामारी दल का गठन किया, जिसका नेतृत्व तोरपा एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने किया।छापामारी दल ने हत्यारोपी विकास महतो, बिनोद महतो उर्फ अजीत महतो, रामप्रसाद महतो उर्फ छोटू, सिकन्दर महतो उर्फ सचिन महतो और रामू महतो को गिरफ्तार किया। इन सभी आरोपियों ने अपने अपराध को स्वीकार किया और पूछताछ में बताया कि उन्होंने ग्राम टिमड़ा स्थित पुस्तैनी जमीन के विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी।पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने जमीन के विवाद में हत्या को अंजाम दिया और उसके बाद अपने परिवार को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया था।छापामारी दल में क्रिस्टोफर केरकेट्टा, अनु० पु० पदाधिकारी, तोरपा, पु०नि० अशोक कुमार सिंह, तोरपा अंचल सह- थाना प्रभारी खूंटी, और अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे।

झारखंड स्टेट बार काउंसिल का चुनाव 12 को, देवघर की 967 अधिवक्ता डालेंगे वोट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : झारखंड स्टेट बार काउंसिल का पंचवर्षीय चुनाव 12 मार्च को होगा 12 मार्च को दिन के 10 बजे से शाम पांच बजे तक देवघर बार एसोसिएशन के 967 मतदाता जिला अधिवक्ता संघ के हॉल में वोट डालेंगे।देवघर के पीठासीन पदाधिकारी कृष्णधन खवाड़े ने बताया कि चुनाव को लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दो बैलेट बॉक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। चुनाव मैदान में 100 उम्मीदवार खड़े हैं. इनमें 75 पुरुष और 25 महिला उम्मीदवार शामिल हैं।

उपायुक्त ने राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक की,सभी विभागों को राजस्व संग्रहण में तेजी लाने के निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने सोमवार को राजस्व से जुड़े सभी विभागों द्वारा राजस्व वसूली की समीक्षा की गयी।इस दौरान विभिन्न विभागों को चालू वित्तिय वर्ष में प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध कितनी वसूली की गयी है से संबंधित विस्तृत जानकारी ली गयी।उन्होंने सभी पदाधिकारियों को लक्ष्य को हासिल करने दिशा में कई दिशा-निर्देश दिया।उपायुक्त ने खनन विभाग की समीक्षा की,वित्तिय वर्ष 2025-26 के तहत 58433.31 लाख रुपये वार्षिक लक्ष्य प्राप्त है जिसके विरुद्ध अबतक 14517.10 लाख रुपये की वसूली की गयी है।डीसी ने खान निरीक्षक को खनन के क्षेत्र में राजस्व वसूली में तेजी लाने की बात कही साथ ही अगली बैठक में रॉयल्टी और पेनाल्टी का अलग से डेटा संग बैठक में उपस्थित रहने पर बल दिया।इसी तरह परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पाया कि विभाग को वर्तमान वित्तिय वर्ष में 7608.30 लाख रुपये की वसूली का लक्ष्य दिया गया था।जिसके विरुद्ध परिहवन विभाग द्वारा अबतक 7587.61लाख रुपये की राजस्व वसूली कर ली गयी है।मोटरयान निरीक्षक पलामू को 449 लाख रुपए वसूली के लक्ष्य के विरुद्ध 296.08 लाख रुपये वसूली की गयी है।उत्पाद विभाग की समीक्षा के दौरान उत्पाद अधीक्षक ने उपायुक्त को बताया कि उत्पाद विभाग को 16759.50 लाख रुपए वसूली का वार्षिक लक्ष्य दिया गया था जिसके विरुद्ध फरवरी माह तक 14812.88 लाख रुपये के राजस्व वसूली कर ली गयी है।इसी तरह मेदिनीनगर नगर निगम को 1560.55 लाख रुपये की वसूली का लक्ष्य है जिसके विरुद्ध अबतक 1185.76 लाख रुपया की वसूली की गयी है जो प्राप्त लक्ष्य का 76 प्रतिशत है।इसी तरह अवर निबंधन,राष्ट्रीय बचत विभाग,विद्युत आपूर्ति विभाग की भी समीक्षा की गयी।उन्होंने संबंधित विभाग के पदाधिकारी को शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में योजना बनाते हुए कार्य करने की बात कही।इसी कर्म में उपायुक्त ने सरकार के विभिन्न विभागों को भूमि हस्तांतरण हेतु लंबित भूमि के विवरणी का अंचलवार समीक्षा किया गया।बैठक में भू-लगान,निबंधन,दाखिल-खारिज, सकसेशन म्यूटेशन,पार्टीशन म्यूटेशन और भूमि सीमांकन की भी समीक्षा की गयी।उन्होंने सभी सीओ को निर्धारित समय में म्यूटेशन के मामलों को निष्पादन करने पर बल दिया।इसके अलावे 2025-26 में प्राकृतिक आपदाओं एवं राज्य स्तरीय अधिसूचित आपदाओं से प्रभावितों को सहायता राशि स्वीकृती से संबंधित प्रतिवेदन,ई-रेवेन्यू कोर्ट का स्टेटस,लैंड डीमारकेशन,झारखंड लगान कलेक्शन की भी समीक्षा की गयी।बैठक में उपायुक्त के अलावा अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,हुसैनाबाद एसडीओ,सहायक समाहर्ता, तीनों भूमि सुधार उप समाहर्ता,सभी अंचल अधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बच्चा चोर की अफवाह पर चक्रधरपुर में वृद्ध महिला की पिटाई, गंभीर रूप से घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड में इन दिनों बच्चा चोर की अफवाहों के कारण भीड़ द्वारा लोगों की पिटाई के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को चक्रधरपुर प्रखंड के हाथिया पंचायत स्थित रामडा गांव में एक वृद्ध महिला को बच्चा चोर होने के संदेह में ग्रामीणों ने बेरहमी से पीट दिया। जानकारी के अनुसार, गांव में एक अज्ञात वृद्ध महिला के पहुंचने पर कुछ लोगों को उस पर बच्चा चोरी करने का शक हुआ। देखते ही देखते अफवाह फैल गई और गुस्साए ग्रामीणों ने वृद्ध महिला को घेरकर उसकी जमकर पिटाई कर दी।इस दौरान महिला का सिर में सुजन हो गया और उसके शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।पिटाई के बाद महिला बुरी तरह जख्मी हो गई।ग्रामीणों का कहना है कि महिला बच्चा चोरी के इरादे से गांव में आई थी। हालांकि जब महिला से पूछताछ की गई, तो वह अपने बारे में ठीक से कोई जानकारी नहीं दे सकी।उसकी बातचीत और व्यवहार से यह भी आशंका जताई जा रही है कि उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।गौरतलब है कि हाल के दिनों में बच्चा चोरी की अफवाहों के कारण कई जगहों पर भीड़ द्वारा निर्दोष लोगों की पिटाई की घटनाएं सामने आई हैं।कई मामलों में मानसिक रूप से अस्वस्थ या भटककर आए लोगों को बच्चा चोर समझकर पीट दिया गया, जिससे उनकी मौत तक हो चुकी है। ऐसी घटनाओं से पुलिस की चिंता भी बढ़ गई है।पुलिस लगातार लोगों से अपील कर रही है कि बच्चा चोरी के संदेह में किसी के साथ मारपीट करने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि मामले की सही जांच हो सके। पुलिस ने चेतावनी दी है कि कानून हाथ में लेकर किसी के साथ हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोगों से शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।इधर चक्रधरपुर के थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत रामडा गांव पहुंचे और महिला को सुरक्षित पीसीआर वैन में बिठाकर चक्रधरपुर थाना ले आये।इससे पहले पुलिस के द्वारा महिला की चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में इलाज भी करवाया गया।थाना प्रभारी का कहना है कि महिला मानसिक रूप से कमजोर लग रही है। फिलहाल पुलिस महिला को उसके घरवालों का पता लगाकर उसे उसके घर तक पहुंचाने के प्रयास में जुटी हुई है।

जल महोत्सव पखवाड़ा शुरू, बाईस मार्च तक चलेगा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : गढ़वा जिले में जल महोत्सव पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन करते हुये गढ़वा उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्र ने कहा कि यह कार्यक्रम लगातार 22 मार्च तक चलेगा। डीडीसी ने कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता तथा समुदाय में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिलाओं के कार्यों को विशेष रूप से सराहना की।इसी क्रम में पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 15 जलसहिया दीदियों और गढ़वा प्रखंड की उड़सूगी पंचायत की मुखिया को उन्होंने सम्मानित भी किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और स्वच्छता के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।गांव-गांव में जलसहिया दीदियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने लोगों को स्वच्छ पानी के उपयोग, जल संरक्षण तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक करने में उल्लेखनीय कार्य किया है।उन्होंने कहा कि जल महोत्सव पखवाड़ा का आयोजन 22 मार्च तक गढ़वा जिले के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा।इस दौरान जल संरक्षण,सुरक्षित पेयजल,स्वच्छता तथा जल प्रबंधन से जुड़े विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम,जनसंवाद, रैलियां एवं अन्य गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, ताकि आमजन में जल के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

बच्चा चोर की अफवाह में विक्षिप्त महिला की पीट-पीटकर हत्या

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला जिला के बिशुनपुर थाना क्षेत्र के लापू गांव के गोरियाटांड़ में रविवार रात लगभग 10 बजे बच्चा चोर की अफवाह में एक अज्ञात विक्षिप्त महिला की ग्रामीणों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना तेतरा उरांव के घर के समीप की बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार उक्त महिला दो दिन पहले लबगा गांव में भी विक्षिप्त अवस्था में घूमते हुए देखी गई थी। रविवार रात वह लापू गांव के जंगल से सटे गोरियाटांड़ टोला पहुंच गई और एक घर के पास केले की झाड़ी में छिपकर बैठी थी। इसी दौरान क्षेत्र में बच्चा चोर आने की अफवाह फैली हुई थी। महिला को संदिग्ध स्थिति में देख ग्रामीणों ने उसे बच्चा चोर समझ लिया।बताया जाता है कि गोरियाटांड़ टोला में महज चार घर हैं और यह टोला लापू गांव से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर जंगल से सटा हुआ है। महिला के दिखने पर ग्रामीणों में भय और अफवाह फैल गई। सूचना मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और महिला की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बिशुनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार सुबह पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया।थाना प्रभारी अर्जुन कुमार यादव ने बताया कि बच्चा चोर की अफवाह में महिला की पिटाई कर हत्या कर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना में शामिल लोगों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मंगला जुलूस को लेकर फ्लैग मार्च, कानून तोड़ने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : रामनवमी को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। होली के बाद पहले मंगलवार को मंगल जुलूस निकलता है। इसे लेकर हजारीबाग प्रशासन ने फ्लैग मार्च निकाला। जिस रास्ते से जुलूस गुजरती है उसे रास्ते से प्रशासन की गाड़ी गुजरी है।जिला प्रशासन ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किया जा रहा है।कोई भी व्यक्ति जो नियम कानून तोड़ेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।फ्लैग मार्च का नेतृत्व हजारीबाग के एसपी अंजनी अंजन ने खुद किया।इस दौरान उनके साथ पुलिस विभाग और प्रशासनिक पदाधिकारी शामिल रहे। फ्लैग मार्च पुलिस कंट्रोल रूम से निकाला और शहर के विभिन्न चौक चौराहा से गुजरा।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त व एसएसपी ने की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश से शिष्टाचार मुलाकात

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने सोमवार को धनबाद के नए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा से उनके कार्यकाल में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश का स्वागत किया।

धनबाद परिसदन में लोजपा (आर) की प्रेस वार्ता, लेबर सेल के विस्तार पर बनी सहमति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की ओर से सोमवार को धनबाद परिसदन में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान पार्टी के लेबर सेल के विस्तार को लेकर सहमति बनी और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की गई।लोजपा (आर) लेबर सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पासवान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करते हुए श्रमिकों के हित में लगातार काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी का उद्देश्य मजदूरों की समस्याओं को उठाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है।उन्होंने कहा कि लेबर सेल के विस्तार से संगठन जमीनी स्तर तक पहुंचेगा और श्रमिकों की आवाज को मजबूती मिलेगी। साथ ही मजदूरों से जुड़े मुद्दों को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

कॉमरेड सुबल मल्लिक की प्रथम स्मरण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सिंदरी बलियापुर लोकल कमेटी की ओर से वरिष्ठ किसान नेता एवं लोकल कमेटी सदस्य कॉमरेड सुबल मल्लिक की प्रथम स्मरण दिवस पर ग्राम कुल्लूडीह, निपनिया में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सबसे पहले उनकी तीनों बेटियां, पुत्र, बड़े भाई एवं सीपीएम के धनबाद जिला सचिव विकास कुमार ठाकुर, सचिव गौतम प्रसाद, वरिष्ठ किसान नेता संतोष कुमार महतो ने कॉमरेड सुबल मल्लिक के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए जिला सचिव विकास कुमार ठाकुर ने कहा 9 मार्च को सुबल दा हम लोगों के बीच से चले गए। उनके नहीं रहने से पार्टी और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। सोमवार को प्रथम स्मरण दिवस पर हम संकल्प लेते हैं कि उनके अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।श्रद्धांजलि सभा में उपासी महताईन, अधिवक्ता निताई रवानी, सिंदरी शाखा सचिव राज नारायण तिवारी, मुकेश कुमार, प्रमोद कुमार सिंन्हा सहित अन्य ग्रामीणों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

बीसीसीएल सीएचडी में जीआई एंडोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी सेवाओं का हुआ शुभारंभ

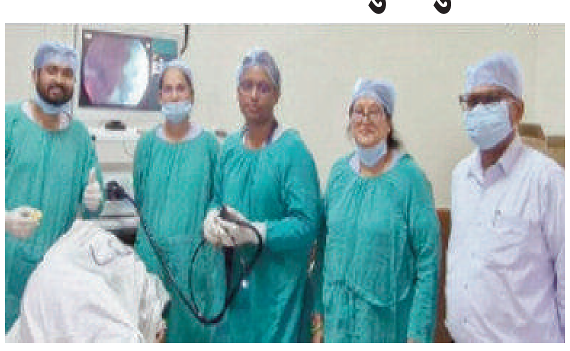

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः तीन दिवसीय एनीमिया जाँच, बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट तथा सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण जागरूकता शिविर का शुरूआत की गईअंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केंद्रीय अस्पताल, बीसीसीएल (सीएचडी) द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई। अस्पताल द्वारा आज अपर जीआई एंडोस्कोपी सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया। साथ ही कोलोनोस्कोपी सेवाओं की भी शुरूआत की गई। इन आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के शुरू होने से अस्पताल की रोगों की जांच एवं उपचार संबंधी क्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी तथा मरीजों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।केंद्रीय अस्पताल में इन नई चिकित्सा सेवाओं की शुरूआत सीएमडी बीसीसीएल, मनोज कुमार अग्रवाल तथा निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया के निरंतर मार्गदर्शन, समर्थन एवं दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसके तहत बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों, उनके परिवारों तथा आसपास के समुदाय के लिए गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इस सेवा की शुरूआत डॉ. बंदना, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी तथा डॉ. अनीश कुमार गांधी, विभागाध्यक्ष (सर्जरी) के मार्गदर्शन में की गई। यह पहल अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे बीसीसीएल के कर्मचारियों, उनके परिवारों तथा आसपास के क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

बीसीसीएल कोयला भवन में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

महिलाओं के लिए पारंपरिक वेशभूषा परिधान प्रतियोगिता का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वीमेन इन पब्लिक सेक्टर (डब्ल्यूआईपीएस), बीसीसीएल के तत्वावधान में आज कोयला भवन मुख्यालय में महिला कर्मियों के लिए दो दिवसीय (09-10 मार्च) स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट, एनीमिया तथा स्तन कैंसर स्क्रीनिंग से संबंधित जाँच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस पहल का उद्देश्य महिला कर्मियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय पर आवश्यक जाँच, परामर्श और उपचार संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उनके समग्र स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन सीएमएस, बीसीसीएल, डॉ. पूनम दुबे ने किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (वित्त) एमएस राजू, विभागाध्यक्ष (सीएसआर/औद्योगिक संबंध) सुरेन्द्र भूषण, विभागाध्यक्ष (वीआईपी सेल)-सह-समन्वयक (डब्ल्यूआईपीएस, बीसीसीएल), निर्मला किरण, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) शोभा जे. कुजूर, विभागाध्यक्ष (कल्याण) किरण रानी नायक तथा विभागाध्यक्ष (कर्मचारी स्थापना) मधुस्मिता लकड़ा सहित कोयला भवन मुख्यालय के अन्य सभी महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष, महिला अधिकारी-कर्मी उपस्थित रहे। अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. पूनम दुबे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों, उनकी क्षमता और समाज के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति में महिला कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और उनके स्वास्थ्य एवं कल्याण का ध्यान रखना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने महिला कर्मियों को नियमित स्वास्थ्य जाँच कराने, संतुलित आहार अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। डॉ. दुबे ने कहा कि समय पर स्वास्थ्य परीक्षण से अनेक गंभीर बीमारियों का प्रारंभिक चरण में ही पता लगाया जा सकता है। जिससे उपचार अधिक प्रभावी और सफल हो पाता है। उन्होंने इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों को कर्मचारियों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उल्लेखनीय है कि शिविर में स्थापित हेल्थ किओस्क मशीन में इनवेसिव तथा नॉन-इनवेसिव दोनों प्रकार की स्वास्थ्य जाँच की सुविधा उपलब्ध है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस बड़ी संख्या में मुख्यालय की महिला कर्मियों ने स्वास्थ्य शिविर में भाग लेकर अपनी आवश्यक स्वास्थ्य जाँच कराई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया।इसी क्रम में कार्यक्रम के दूसरे सत्र में तृतीय तल स्थित सभागार में महिला कर्मियों के लिए पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यालय की महिला अधिकारियों एवं कर्मियों ने विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा धारण कर अपनी सांस्कृतिक विरासत और विविधता का आकर्षक प्रदर्शन किया।इस दौरान महिला अधिकारियों एवं कर्मियों ने महिला सशक्तिकरण, समानता और कार्यस्थल पर अवसरों की समान भागीदारी जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए तथा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने अपने-अपने गृह राज्यों की पारंपरिक पोशाकों और सांस्कृतिक पहचान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसकी सभी उपस्थित लोगों ने सराहना की। अवसर पर सीएमएस डॉ. पूनम दुबे, निर्मला किरण सहित मुख्यालय की सभी महिला अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की सफलता में डब्ल्यूआईपीएस, बीसीसीएल की सभी महिला सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सीएचडी सहित बीसीसीएल के सभी क्षेत्रों में भी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें स्वास्थ्य शिविर, मेहंदी प्रतियोगिता, थाली सजावट, पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता तथा अन्य जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे।

स्कूटी रैली निकालकर महिलाओं ने दिया नारी शक्ति का संदेश

नशा मुक्त व बाल विवाह मुक्त झारखंड बनाने की ली शपथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर सोमवार को समाहरणालय से 200 से अधिक महिलाओं ने स्कूटी रैली निकलकर नारी शक्ति का संदेश दिया। साथ ही नशा मुक्त व बाल विवाह मुक्त झारखंड बनाने का संकल्प लिया। रैली को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली समाहरणालय से सिटी सेंटर होते हुए रणधीर वर्मा चौक तक पहुंची।रैली को रवाना करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस नारी के अधिकारों, समानता तथा उनके सामाजिक, आर्थिक योगदान के सम्मान और सशक्तिकरण का वैश्विक प्रतीक बन गया है। आज हर क्षेत्र में महिलाओं का संघर्ष, उनकी उपलब्धियां, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक सहित अन्य क्षेत्र में उनके योगदान को पहचान मिली है।

उपायुक्त ने कहा कि जिले में भी महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चल रही है। महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्वयं सहायता समूह बनाकर उनको प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं बेलगड़िया में 80-80 महिलाओं का समूह बनाकर उन्हें मशरूम की खेती, बांस व जुट की सामग्री बनाने सहित अन्य क्षेत्र में हुनरमंद बनाया जा रहा है। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आज हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के बराबर योगदान दे रही है। महिला सशक्त होगी तो परिवार तथा समाज सशक्त बनेगा।रैली को रवाना करने से पूर्व सभी को नशा मुक्त झारखंड व बाल विवाह मुक्त झारखंड की शपथ दिलाई गई।स्कूटी रैली में महिला पुलिसकर्मी, सुपरवाइजर, सीडीपीओ, आंगनबाड़ी सेविका, पोषण सखी सहित 200 से अधिक महिलाएं शामिल थी।मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी के अलावा बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों की महिलाएं शामिल रहीं।

सिंदरी टाउन रेलवे स्टेशन से यात्री सुविधाओं को काम किए जाने से स्थानीय लोग चिंतित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः : सिंदरी क्षेत्र में स्थित तीन बडे औद्योगिक प्रतिष्ठित जिसमें हिंदुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड, अदानी सीमेंट प्लांट, तासरा कोल प्रोजेक्ट तथा बीआईटी सिंदरी जैसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान होने के कारण यहां हजारों लोगों का प्रतिदिन आना जाना लगा रहता है।सिंदरी को एशिया के प्रथम खाद कारखाने का गौरव भी प्राप्त है। जिससे इस क्षेत्र का औद्योगिक और ऐतिहासिक महत्व और बढ़ जाता है। इसी बीच सिंदरी टाउन रेलवे स्टेशन से यात्री सुविधाओं को कम किए जाने के संकेत मिलने से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। बताया जा रहा है कि इंटरलॉकिंग सिस्टम लागू होने के बाद सिंदरी टाउन से स्टेशन मास्टर की सेवा को मार्शलिंग यार्ड में स्थानांतरित किया जा सकता है। इसके साथ ही यह भी चर्चा है कि स्टेशन पर संचालित रिजर्वेशन काउंटर को भी मार्शलिंग यार्ड में शिफ्ट करने की तैयारी की जा रही है। यदि ऐसा होता है तो सिंदरी की लाखों आबादी को रेल टिकट लेने के लिए काफी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों और यात्रियों का कहना है कि सिंदरी एक महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं शैक्षणिक केंद्र है। इसलिए यहां यात्री सुविधाओं को कम करने के बजाय और बढ़ाया जाना चाहिए। सिंदरी वासियों ने रेलवे विभाग से अनुरोध किया है कि सिंदरी टाउन स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर पूर्व की तरह ही संचालित रखा जाए तथा रेल परिचालन और यात्री सुविधाओं को और बेहतर किया

भौंरा छह नंबर में हुए गोफ, भू-धंसान व गैस रिसाव के खिलाफ इजे एरिया कार्यालय पर किया गया हंगामा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भौंरा छह नंबर के स्थानीय लोगों ने हुए गोफ, भू-धंसान और गैस रिसाव के विरोध में सोमवार को झरिया कोल्ड फील्ड बचाओ समिति के तत्वावधान में इजे एरिया महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचकर जमकर हंगामा किया।साथ ही प्रबंधन विरोधी नारे लगाये। लोगों का कहना था कि क्षेत्र में लगातार भू-धंसान, गोफ व गैस रिसाव की घटना हो रही है। वहीं क्षेत्र में प्रदूषण व जलसंकट की समस्या गंभीर बनी हुई है। जिससे स्थानीय लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। स्थानीय प्रबंधन मौन है। लोग प्रबंधन से भू-धंसान,गोफ व गैस रिसाव से भविष्य में होने वाली किसी अनहोनी के लिए प्रबंधन को इसका जवाबदेही लेने की मांग कर रहे थे।लोगों का आरोप था कि प्रबंधन हमेशा इन समस्याओं का निदान के लिए आश्वासन देकर सो जाता है, लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा। अगर प्रबंधन इन समस्याओं पर गंभीरता से जल्द कार्रवाई नहीं करता है ,तो क्षेत्र के आउटसोर्सिंग परियोजना समेत कोयला ट्रांसपोटिंग कार्य पूरी तरह से ठप किया जायेगा। बाद में क्षेत्र के महाप्रबंधक टी पासवान

अपने कक्ष से बाहर आये और लोगों से बात कर ज्ञापन लिया।इस दौरान समिति के शंभू वर्णवाल व रितेश गुप्ता ने जीएम से ब्लास्टिंग पर तत्काल रोक लगाने, गैस रिसाव नियंत्रित करने, प्रदूषण नियंत्रण की व्यवस्था करने, जलसंकट दूर करने, प्रभावितों को सहायता प्रदान करने व भू-धंसान होने के कारणों का विशेषज्ञ से जांच कराने की मांग की।जिसपर जीएम ने जलसंकट पर सर्वे कराकर व्यवस्था करने व अन्य मांगों पर हेडक्वार्टर से बात कर कमेटी बनाकर त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।वहीं लोगों ने प्रबंधन को चेतावनी दी कि अगर जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया, तो परियोजना व ट्रांसपोर्टिंग कार्य को अनिश्चतकालीन बंद कर देंगे।

मौके पर शंभू वर्णवाल, रितेश गुप्ता, विवेक सिंह, सुरेश अग्रवाल, विष्णु शर्मा,हरेंद्र यादव, रोहित गोप, विनोद यादव, श्रवण कुमार, कोमल खातुन, रवि साहू, श्रवण वर्मा, मनीष पांडेय, दीपक पासवान, उमाचरण मोदक, गोरे यादव, शुभम गुप्ता, सुमित साव, उदय निषाद, श्रवण वर्मा, विक्की कुमार आदि शामिल थे।

बेमौसम बारिश से शहर जलमग्न, नगर निगम की खुली पोल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कोयलांचल में सोमवार को हुए बेमौसम बारिश ने शहर की सूरत बिगाड़ दी। पहले से ही बदहाल शहर ने बारिश को झेल ना सका। कितनी सरकारे आई और चली गई, नहीं बदली तो शहर की सूरत। अभी हाल में नगर निगम का चुनाव खत्म हुआ है। शहर में नए-नए पार्षद चुन के आए हैं देखना है कि अब नए पार्षद शहर के बदहाली को कब समाप्त करेंगे। शहर की भी स्थिति अजीब है बारिश हुई नहीं की बिजली रानी गायब हो गई। हर तरफ अंधेरा पसर गया। पानी और बिजली की तो बात छोड़िए यहां दिन भर लोग शहर की ट्रैफिक व्यवस्था से परेशान रहते हैं। शहर में दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती है। कतरास दुर्दशा का शहर बनकर रह गया है। बारिश हुई तो पूरा शहर जलमग्न हो जाता है पैदल चलना भी दुर्लभ है यहां। आज लगभग साढ़े तीन बजे के बाद आसमान में घनघोर अंधेरा छा गया और तेज हवा के साथ गरज- चमक के बीच जोरदार बारिश शुरू हो गई। कई जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण कतरास के वार्ड नंबर 3 स्थित

राजगंज रोड सब्जी पट्टी की सड़क और गलियां पूरी तरह जलमग्न हो गईं। जलजमाव के चलते आम लोगों का आवागमन बाधित हो गया और छोटे-छोटे दुकानदारों की सब्जियां पानी में डूब गईं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। बारिश का पानी कई दुकानों में घुस गया, जिसके कारण दुकानदारों को काफी दिक्कत हुई। लोगों को गंदे पानी में पैर रखकर आने-जाने को मजबूर होना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि अभी हाल ही में नगर निगम का चुनाव संपन्न हुआ है और प्रत्याशी कई तरह के दावे कर रहे थे, लेकिन इलाके की स्थिति अभी भी जस की तस बनी हुई है। लोगों ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि अभी हल्की बारिश में यह हाल है, तो आने वाले मानसून में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। स्थानीय लोगों ने जल्द जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

यूपीएससी की परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को गिरिडीह उपायुक्त ने किया सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : यूपीएससी (सिविल सेवा) की परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले गिरिडीह के दो परीक्षार्थियों नाजिया परवीन और करण कुमार सेठ को उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज एक सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया। इस दौरान डीसी रामनिवास यादव ने अपने संबोधन में कहा कि नाजिया और करण ने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले को गौर-वान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों परीक्षार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत और अटूट लगन से यह सफलता अर्जित की है। अब वे अपनी सेवाएं देश को समर्पित करेंगे, जिससे राष्ट्र निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सच्ची इच्छाशक्ति और पूर्ण ईमानदारी के साथ प्रयास करना नितांत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि किसी मुकाम को हासिल करने की प्रबल इच्छा होती है, तो उसे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ पूरा करना चाहिए, तभी वास्तविक सफलता प्राप्त की जा सकती है। यह सफलता गिरिडीह के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। उन्होंने यह भी कहा की अगर किसी को कोई भी मुकाम हासिल करने की इच्छा हो और उसे हासिल करने के लिये पूरी ईमानदारी के साथ मेहनत करें तो सफलता अवश्य कदम चूमती है।

लंबे समय से फरार दो नक्सलियों को पटना एसटीएफ की टीम ने बेंगाबाद से किया गुरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : लंबे समय से फरार नक्सली दस्ता के दो सक्रिय सदस्यों को पटना एसटीएफ की टीम ने गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मंझलाटोल गांव से गिरफ्तार करने में सफलता पायी है। गिरफ्तार नक्सलियों में बिहार के जमुई जिले के चरकापत्थर थाना क्षेत्र के चिलकाखार गांव का निवासी पंकज यादव और कोडरमा जिले के सतागवां थाना क्षेत्र के तांती भागलपुर गांव निवासी पवन सिंह शामिल हैं। बताया गया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ बिहार और झारखंड के अलग-अलग थानों में कई मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार दोनों नक्सली बिहार के चकाई प्रखंड अंतर्गत चरकापत्थर थाना कांड संख्या 143/25 के मुख्य आरोपी हैं और लंबे समय से फरार थे। पटना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मंझलाटोल गांव में शरण लेकर छिपे हुए हैं। उक्त सूचना पर पटना एसटीएफ की टीम बेंगाबाद पहुंची और बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह से मुलाकात कर संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस की संयुक्त टीम ने मंझलाटोल गांव में छापेमारी को दोनों नक्सलियों को गिरफ्तार कर अपने साथ पटना ले गई।

कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो व्यवहार न्यायालय को ई-मेल के माध्यम से साइनाइड बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को कोर्ट परिसर में हडकंप मच गया। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल एहतियाती कदम उठाते हुए पूरे न्यायालय परिसर को खाली करा दिया और इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई। यह धमकी तडके करीब 3:54 बजे न्यायालय के रजिस्टार के आधिकारिक ई-मेल पर भेजी गई। मेल में दावा किया गया है कि न्यायालय परिसर में 14 साइनाइड बम लगाए गए हैं। साथ ही मेल में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और तमिलनाडु का भी उल्लेख किया गया है। इस ई-मेल में दोपहर 1 बजे तक परिसर खाली कराने की चेतावनी भी दी गई थी। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि इस धमकी की जानकारी सोमवार सुबह करीब 9 बजे न्यायिक पदाधिकारी के माध्यम से पुलिस को मिली। इसके बाद तत्काल पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर पूरे परिसर को खाली करा दिया गया। बम और डॉग स्क्वायड की टीम ने भी जांच शुरू कर दी है। न्यायालय परिसर के आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई है, ताकि आम लोगों की आवाजाही नियंत्रित की जा सके।

चोरी की तीन बाइक बरामद, पांच गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : तिलैया पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों से बाइक की चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए बाइक चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की तीन बाइक बरामद की गयी है। पुलिस ने हजारीबाग के पदमा व अन्य जगहों पर छापामारी कर आरोपियों को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों में प्रताप सिंह उर्फ महाराणा प्रताप सिंह पिता राजेंद्र सिंह निवासी तिलरा, आनंद गुप्ता पिता रामचंद्र साव निवासी सरैयाडीह, छोटन मेहता उर्फ छोटन कुमार मेहता पिता मंगल मेहता निवासी बंदरबेला, लक्ष्मण कुमार पासवान पिता मुन्ना पासवान निवासी पदमा गौरैया गड्डा व पवन कुमार सोनी पिता अर्जुन सोनी निवासी सरैया सभी थाना पदमा जिला हजारीबाग शामिल हैं। पुलिस के अनुसार एसपी अनुदीप सिंह के निर्देश पर जिले में अपराध उन्मूलन व विभिन्न अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है।इसी दौरान तिलैया थाना क्षेत्र से चोरी गई मोटरसाइकिल सहित कुल तीन चोरी की मोटरसा-इकिल बरामद की गई व पांच आरोपियों को पकड़ा गया।पकड़े गए सभी आरोपियों ने मोटरसाइकिल की चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है तथा इनके निशानदेही पर ही चोरी की मोटरसाइकिल की बरामदगी की गई है। छापामारी दल में थाना प्रभारी विनय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सच्चिदानंद सिंह व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

बजट सत्र: नगर विकास एवं आवास विभाग की 39 अरब 21 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान मांग ध्वनिमत से पारित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : होली के अवकाश के बाद सोमवार से झारखण्ड विधानसभा का बजट सत्र पुनः शुरू हुआ। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर रविंद्र नाथ महतो ने टी 20 विश्व कप पर तीसरी बार कब्जा जमाने के लिए भारतीय टीम को शुभकामनायें दी।उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार विजेता बनकर देश को गौरवान्वित किया है। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने स्पीकर से आग्रह किया कि संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में चयनित झारखण्ड के युव-ाओं को भी सदन से शुभकामनायें दी जाए। प्रश्नकाल के दौरान झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने अफीम की खेती का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि साल दर साल अफीम की खेती बढ़ रही है। आखिर किसके सहयोग और सहायता से हो रही है। उन्होंने कहा कि मंत्री को बताना चाहिए कि राज्य की पुलिस इसमें अपना हिसाब किताब लगाते हैं कि नहीं। अफीम की खेती और प्रतिवेदित मामला, लंबित मामला कितना है। कहां कहां अफीम का विनष्ट किया गया बताना चाहिए।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि 2024 झ25 में 27015 एकड़ में खेती का मामला सामने आया। राज्य में अपराधों में अगर पुलिस भागीदार होती है तो जांच होती है, अफीम की खेती में भागीदारी का सीधा सबूत नहीं मिला है। अगर किसी की अंतरलिप्तता पाई जाती है तो निश्चित रूप से कार्रवाई होगी। हेमलाल मुर्मू ने कहा कि गृह सचिव के आदेश पर सीआईडी से रिपोर्ट मांगी गई तो एनसीबी भी एक्टिव हुई, तब जाकर इतने बड़े पैमाने पर कार्रवाई हुई। मंत्री बताएं कि पुलिस पर कार्रवाई करना चाहते हैं या नहीं। मंत्री ने कहा कि अफीम की खेती पर निरंतर कार्रवाई होती है, हर साल कार्रवाई की जाती है। अगर पुलिस की मिलीभगत का मामला संज्ञान में आता है तो कार्रवाई की जाती है। पुलिसकर्मी का मिलीभगत आए सामने तो कार्रवाई होगी।

जदयू विधायक सरयू राय ने नक्सल विषयों पर सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि उत्तर अधूरा दिया गया है। जवाब में अनुलग्नक देने की बात कही गई है, लेकिन वो तो दिया ही नहीं गया है। कोई सूची नहीं है। प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि वह सूची भिजवा देंगे। सरयू राय ने कहा कि क्या खनन गतिविधि, बेरोजगारी या किन कारणों से सारंडा में नक्सली मौजूद हैं। आईडी विस्फोट के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं , किन इलाकों में आईडी लगा है, क्या उसे चिन्हित किया गया।मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि माओवाद पूरे राज्य के लिए चिंता की वजह है। उनपर अंकुश के लिए लगातार कार्रवाई हो रही है। क्यों नक्सल गतिविधि बढ़ी है, इसके लिए समझना होगा कि माओवादी भी अपना मंसूबा बदलते हैं। सारंडा में लगातार कार्रवाई हुई है। हम अंदाज लगा सकते हैं कि बड़ा वन क्षेत्र है, उनके अनुसार भूगोल है, इसलिए उनकी गतिविधियां वहां रही हैं।सरयू राय ने कहा कि कार्रवाई का तुलनात्मक विवरण दे, तब सफलताओं का पता चलेगा। मंत्री ने कहा कि 10 झ15 सालों की अपेक्षा काफी कम माओवादी बचे हैं। हमारी सरकार की सरेंडर पॉलिसी भी बेहतर रही है, लोग लगातार इसका फायदा उठा रहे हैं।भटके लोगों को जल्द से जल्द मुख्यधारा में लाया जाएगा।ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में घंटी आधारित कार्यगत शिक्षकों को प्राथमिकता देने का मुद्दा उठाया। जवाब में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि विभाग ने तकनीकी रूप से नियुक्ति प्रक्रिया में कोई गलती नहीं की है। उनका कहना था कि सरकार चाहती है कि खुली प्रतिस्पर्धा में अच्छे शिक्षक आएं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों को न्यायालय जाना है, वे जा सकते हैं। जिन्हें लगता है कि उनके साथ अन्याय हो रहा है, उन्हें न्यायालय जाने का अधिकार है, लेकिन राज्य सरकार लेक्चररों की नियुक्ति में कहीं भी प्रक्रियात्मक त्रुटि नहीं कर रही है।प्रदीप यादव ने कहा था कि सरकार ने नीड बेस्ट लेक्चररों को जो अंक आधारित प्राथमिकता दी है, वह बहुत कम है, जिसके कारण वे आवेदन ही नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही सरकार इसे मानने को तैयार नहीं है, लेकिन हाईकोर्ट का आदेश आने पर नियम लागू हो जाएगा। इस पर सुदिव्य सोनू ने कहा कि जिनको न्यायालय जाना है, वे जाएं। प्रदीप यादव द्वारा बिहार और हरियाणा में हुई बहाली का उदाहरण देने पर सुदिव्य सोनू ने कहा कि जरूरी नहीं कि बिहार के नियम झा-रखंड में भी लागू किए जाएं। अगर ऐसा होता, तो बिहार से झारखंड के अलग होने की जरूरत ही क्या थी।

भोजनवकाश के बाद सदन में नगर विकास विभाग के अनुदान मांग पर चर्चा हुई. विभाग के अनुदान मांग पर कटौती प्रस्ताव लाते हुए भाजपा विधायक नीरा यादव ने कहा कि राज्य के बड़े हो या छोटे नगर तो नरक बना हुआ है।पिछले 5 वर्षों से ज्यादा समय से निकाय चुनाव नहीं हुआ।हाई कोर्ट का जब डंडा चला तो निकाय चुनाव हुआ।चुने हुए जनप्रतिनिधि नहीं होने के कारण राज्य के सभी शहरों की नारकीय स्थिति बनी हुई हैं। राजधानी रांची का तो सबसे बुरा हाल है। कटौती प्रस्ताव का जवाब देते हुए नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि नगर व्यवस्था के अंतर्गत सफाई, शुद्ध पैयजल, सडक, एवं आवास के साथ साथ आधारभुत संरचनाओं की व्यवस्था प्रमुख है। सरकार शहरी क्षेत्र के हर व्यक्ति एवं परिवार को शुद्ध पैयजल एवं आवास उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत भारत स-रकार से अबतक 2लाख 11हजार 10 आवास स्वीकृत हैं. जिनमे ऐ-वक लाख 42 हजार 333 आवास पूर्ण किये जा चुके है। सदन से नगर विकास एवं आवास विभाग का 39 अरब 21करोड़ 47लाख रुपये का अनुदान मांग धावानीमत से पारित हुआ।अनुदान मांग पर चर्चा में कल्पना सोरेन, जयराम महतो, जनार्दन पासवान, तिवारी महतो, सतेन्द्र नाथ तिवारी समेत अन्य विधायकों ने भाग लिया।मंत्री के जवाब के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार के 11 बजे दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई।

मांगों को लेकर मनरेगा कर्मियों की तीन दिवसीय हड़ताल शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सोनाहातू प्रखंड मुख्यालय परिसर में सोमवार को झा-रखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के आह्वान पर तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के पहले दिन प्रखंड के सभी मनरेगा कर्मियों ने धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने स-रकार से अपनी लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। रांची जिला मनरेगा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष संजय प्रमाणिक ने कहा कि पिछले छह महीनों से मनरेगा कर्मियों को मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। संजय प्रमाणिक ने बताया कि कर्मचारियों के स्थायीकरण, समायोजन, सामाजिक सुरक्षा और मानदेय वृद्धि जैसी मांगों को लेकर कई बार विभाग से आग्रह किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र स-रकार मनरेगा योजना को बंद कर वीबीजी रामजी योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है, लेकिन उसमें भी मनरेगा कर्मियों को संविदा कर्मचारी ही माना जा रहा है। 17-18 वर्षों से कार्यरत कर्मियों को स्थायी नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार उनकी मांगों पर विचार नहीं करती है तो 12 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। धरना-प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष संजय प्रमाणिक, पंखराज सिंह मुंडा, शंकर सेठ, कृष्णा उरांव, प्रदीप महतो, सौरभ मुखर्जी, षष्ठी बड़ाईक, अक्षय महतो, तपन मंडल, सुन्दरसाय महतो, नीतीश हाजरा और राम सिंह मुंडा सहित कई कर्मचारी मौजूद थे।

जोनबनी के पास टाटा मैजिक पलटी, महिला की मौत, दर्जनों घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : राजनगर थाना क्षेत्र के जोनबनी गांव के पास गायघाट में सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में टाटा मैजिक टेम्पो पलटने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दर्जनों महिलाएं घायल हो गईं। मृतका की पहचान कुमडीह गांव निवासी प्रतिमा मुर्मू (26 वर्ष) के रूप में हुई है।सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्रतिमा मुर्मू को मृत घोषित कर दिया।मिली जानकारी के अनुसार राजनगर प्रखंड क्षेत्र के बान्दु गांव की करीब 30 महिलाएं सोनापोस गांव में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुति देने के लिए टाटा मैजिक टेम्पो से जा रही थीं। इसी दौरान दोपहर करीब तीन बजे जैसे ही वाहन जोनबनी गांव के पास गायघाट पहुंचा, चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और टेम्पो सड़क किनारे पलट गया।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई महिलाएं घायल हो गईं।स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को निजी वाहनों से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर पहुंचाया गया।चिकित्सकों के अनुसार बान्दु गांव की सांवरी हेम्ब्रम (28 वर्ष) को सिर और शरीर में गंभीर चोटें आई हैं।वहीं पूजा मार्डी, जश्मी टुडू, सुनिता मुर्मू, मोनिका हांसदा और मुनी मार्डी समेत छह महिलाओं को हल्की चोटें लगी हैं।मृतका प्रतिमा मुर्मू बान्दु गांव के कविराज रोबिन हांसदा की बेटी थी।उसकी शादी राजनगर प्रखंड के कुमडीह गांव निवासी सुपर मुर्मू से हुई थी। प्रतिमा के एक बेटी और करीब ढाई साल का एक बेटा है। बताया जाता है कि वह इन दिनों अपने मायके बान्दु गांव आई हुई थी। गांव की अन्य महिलाओं के साथ सोनापोस में सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए वह भी टाटा मैजिक से जा रही थी।इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया।घटना की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है।

जुगसलाई के तीन होटल और तीन मैरेज हॉल के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : जुगसलाई के तीन होटल और तीन मैरेज हॉल के खिलाफ नगर परिषद ने सख्त कार्रवाई का फैसला किया है। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी संदीप पासवान ने राजस्व समीक्षा बैठक में यह आदेश दिया। तीन-चार नोटिस जारी करने के बावजूद इन प्रतिष्ठानों ने बकाया होल्डिंग टैक्स जमा नहीं किया। प्रभावित प्रतिष्ठानों में रॉयल मैरेज हॉल, गोल्डन मैरेज हॉल, बाबू मैरेज हॉल, होटल नीलकंठ, होटल राजस्थान और होटल गुलमोहर शामिल हैं। इनके अलावा कई अन्य बड़े व्यवसायिक संस्थान भी लंबे समय से होल्डिंग टैक्स का भुगतान नहीं कर रहे हैं। नगर परिषद का लक्ष्य मार्च माह में सभी बकायेदारों से बकाया टैक्स वसूलना है।नोटिस के बावजूद टैक्स जमा न करने पर केस दर्ज करने के साथ अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें चल संपत्ति जब्त कर उसकी नीलामी के माध्यम से बकाया राशि वसूलने का प्रावधान है। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी ने नगर प्रबंधक और राजस्व निरीक्षकों को बकाया टैक्स वसूली में तेजी लाने का स्पष्ट निर्देश दिया है।

अभाविप के कार्यकर्ता कर रहें थे तालाबंदी कर प्रदर्शन,आधा दर्जन कार्यकर्ता हिरासत में

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं के द्वारा सोमवार को गिरिडीह कॉलेज के प्रशासनिक भवन में तालाबंदी कर विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे।जिसके बाद कॉलेज प्रशासन के द्वारा अभाविप कार्यकताओं को समझाने का प्रयास किया गया लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

नामकुम में अखिल राजपुताना कल्याण न्यास का सम्मान समारोह, वार्ड 32 के विजयी पप्पू सिंह सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः अखिल राजपुताना कल्याण न्यास की नामकुम इकाई द्वारा समाज में एकता, परंपरा और सेवा भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नामकुम स्थित उज्जैन भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें वार्ड संख्या 32 से विजयी पप्पू सिंह को मंच पर आमंत्रित कर अंगवस्त्र एवं पारंपरिक तलवार भेंट कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह में स्वर्ण समाज के प्रदेश अध्यक्ष तथा अखिल राजपुताना कल्याण न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष सिंह ने समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर सामाजिक विकास, भाईचारा और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बिपिन सिंह, सुभाष सिंह, आर.के. सिंह, अजय कुमार सिंह, उपेंद्र सिंह और अखिलेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जबकि इस अवसर पर श्रीराम सिंह, संतोष सिंह, विनोद सिंह, सुबोध सिंह, राकेश सिंह, विनोद कुमार सिंह, प्रकाश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सूरज झा, राहुल पाठक, राहुल बिहारी, आकाश, वीरू सिंह, सुभाष सिंह, वक्त भाई, अमरेंद्र सिंह, अजय सिंह सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और समाज में एकता, सम्मान तथा सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

विधायक सविता महतो ने सदन में उठाया कुकड़ू थाना भवन व मिलनचौक में टीओपी का मामला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : ईचागढ़ के विधायक सविता महतो ने विधानसभा के ता-रांकित प्रश्न में कुकड़ू थाना भवन का मामला प्रमुखता से उठाया।इस दौरान विधायक ने कहा ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के कुकड़ू में बना थाना भवन लगभग 10 वर्षों से तैयार है, लेकिन आज तक उसका उपयोग नहीं किया जा रहा है।इस संबंध में पूछे गए प्रश्न के जवाब में सरकार की ओर से जानकारी दी गई कि गृह विभाग की अधिसूचना संख्या 4245 दिनांक 10 जुलाई 2010 तथा अधिसूचना संख्याझ14/डीएस दिनांक 28 फरवरी 2009 के तहत सरायकेला-खरसावां जिले के तिरुलडीह को नए थाना के रूप में अधिसूचित किया गया था. इसके अंतर्गत तिरुलडीह, चौड़ा, कुकड़ू, ईचाडीह और लेटेमदा

पंचायत को शामिल किया गया है।

सरकार ने बताया कि बाद में गृह विभाग की अधिसूचना संख्याझ 3535 दिनांक 5 सितंबर 2009 के तहत कुकड़ू थाना को ह्यबीह्ण श्रेणी के थाना के रूप में अधिसूचित किया गया, जिसमें तिरुलडीह थाना के उक्त पांच पंचायतों को शामिल किया गया। तिरुलडीह और कुकड़ू थाना का कार्यक्षेत्र समान रहने के कारण तिरुलडीह थाना 1 जुलाई 2009 से पूर्ण रूप से कार्यरत है, लेकिन कुकड़ू थाना के लिए अलग से कार्यक्षेत्र निर्धारित नहीं होने के कारण वहां थाना संचालन शुरू नहीं हो सका है।इसी कारण कुकड़ू में बने थाना भवन का अब तक उपयोग नहीं किया जा रहा है। वहीं 14 जून 2019 को कुकड़ू हाट में हुए नक्सली हमले में दो एस आई जवान सहित पांच पुलिसकर्मी शहीद हुए थे।सरकार ने यह भी बताया कि ईचागढ़ के मिलन चौक क्षेत्र में वर्ष 2023 से 2025 तक नक्सली या बैंक डकैती की कोई घटना दर्ज नहीं हुई है, हालांकि वर्ष 2025 में चोरी की तीन घटनाएं हुई हैं। कुकड़ू में थाना भवन चालू करने के संबंध में पुलिस मुख्यालय ने 19 नवंबर 2025 और 24 फरवरी 2026 को पत्र भेजकर उपायुक्त तथा क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिर-ीक्षक से प्रस्ताव उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव मिलने के बाद स्थापित नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

फतेहपुर में संख्या बल में फेल हुआ अविश्वास प्रस्ताव, प्रमुख व उपप्रमुख की कुर्सी रही सुरक्षित

निर्णायक बैठक में दो तिहाई सदस्य नहीं पहुंचे, 25 में सिर्फ 13 सदस्य रहे मौजूद

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड पंचायत समिति के प्रमुख व उपप्रमुख के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव सोमवार को सफल नहीं हो सका। अविश्वास प्रस्ताव पर निर्णय के लिए बुलाई गई विशेष बैठक में आवश्यक दो-तिहाई सदस्यों की उपस्थिति नहीं होने के कारण प्रस्ताव पर मुहर नहीं लग सकी और प्रमुख अनीता देवी व उपप्रमुख रणधीर यादव की कुर्सी बरकरार रह गई।प्रखंड मुख्यालय में आयोजित इस विशेष बैठक को लेकर सुबह से ही सियासी सरगर्मी तेज थी। पंचायत समिति के कुल 25 सदस्यों में से केवल 13 सदस्य ही बैठक में उपस्थित हुए, जबकि अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराने के लिए दो-तिहाई सदस्यों की मौजूदगी जरूरी थी। निर्धारित संख्या पूरी नहीं होने के कारण बैठक में प्रस्ताव पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।बैठक में मौजूद अधिकारियों ने नियमानुसार स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि पर्याप्त सदस्य उपस्थित नहीं होने के कारण अविश्वास प्रस्ताव स्वतः निष्प्रभावी हो गया। इसके बाद प्रमुख अनीता देवी और उपप्रमुख रणधीर यादव की कुर्सी फिलहाल सुरक्षित मानी जा रही है।इधर, बैठक को लेकर दिनभर प्रखंड कार्यालय परिसर में समर्थकों और विरोधियों के बीच चर्चाओं का दौर चलता रहा। हालांकि आवश्यक संख्या पूरी नहीं होने से सियासी समीकरणों पर विराम लग गया और पंचायत समिति की राजनीति में फिलहाल प्रमुख व उपप्रमुख का पलड़ा भारी माना जा रहा है।

रेलवे प्लेटफॉर्म पर प्रसव कराकर दिखाई मानवता, मुन्नी देवी को किया गया सम्मानित

गया जी (एजेंसी) : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब के द्वारा गया जंक्शन पर कार्यरत प्राइवेट सफाई कर्मी मुन्नी देवी को उनके साहसिक और मानवीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। मुन्नी देवी ने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर एक गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव कराने में मदद की थी।बताया गया कि पूर्ण गर्भावस्था में एक महिला ट्रेन से गया जंक्शन पहुंची थीं। इसी दौरान उन्हें तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। अस्पताल ले जाने का समय नहीं मिलने पर मुन्नी देवी ने अन्य महिलाओं की मदद से प्लेटफॉर्म पर ही प्रसव कराया। उनकी सूझबूझ और साहस से मां और नवजात दोनों सुरक्षित रहे। बाद में पहुंची डॉक्टर ने भी उनके इस मानवीय कार्य की सराहना की।इस सराहनीय कार्य के लिए क्लब की ओर से मुन्नी देवी को पुष्पगुच्छ, साड़ी और 5000 रुपये की सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने मंच से पूरी घटना साझा की, जिसे सुनकर उपस्थित लोग भावुक हो उठे।कार्यक्रम के दौरान निम्न आय वर्ग की तीन मेहनती महिलाओं को भी सम्मानित किया गया, जो विभिन्न घरों में घरेलू सहायिका के रूप में ईमानदारी और निष्ठा से कार्य कर रही हैं। उन्हें पुष्पगुच्छ, साड़ी और तीन लीटर का प्रेशर कुकर भेंट किया गया।यह सम्मान समारोह शहर में आयोजित किया गया जिसमें क्लब की 34 सदस्याएं उपस्थित रहीं। क्लब की अध्यक्षा दूर्वा सहाय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में आभा सिंह का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के बाद सदस्यों के लिए मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए।क्लब संपादिका शीतल गुप्ता ने बताया कि यह कार्यक्रम महिलाओं के साहस, समर्पण और समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है।

महिलाओं के बीच स्वच्छता को लेकर एबीवीपी छात्राओ ने चलाया अभियान

सहरसा, (एजेंसी) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई सहरसा द्वारा एक सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अभाविप छात्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।इस अवसर पर परिषद की कार्यकर्ता बहनों द्वारा कहरा प्रखंड क्षेत्र में महिलाओं के बीच जाकर सेनेटरी पैड का वितरण किया गया।साथ ही महिलाओं को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यकताओं ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान साफ-सफाई रखने, स्वच्छ सेनेटरी पैड के उपयोग करने तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के बीच स्वास्थ्य, स्वच्छता और जागरूकता को बढ़ावा देना था। परिषद की कार्यकर्ता बहनों ने बताया कि समाज में अभी भी कई स्थानों पर मासिक धर्म से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा नहीं होती, इसलिए इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने कहा कि परिषद सदैव समाज में महिला सम्मान, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए कार्य करती रही है और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

विधायक ने सिमराहा हाई स्कूल का किया निरीक्षण

अररिया (एजेंसी) : फारबिसगंज विधायक मनोज कुमार विश्वास ने सोमवार को सिमराहा हाई स्कूल का निरीक्षण किया।स्कूल परिसर में बन रहे मकान का उन्होंने जायजा लिया।विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था,आधारभूत सुविधाओं एवं विद्यार्थियों की स्थिति का जायजा लेने के साथ ही विधायक ने स्कूल के प्रधान शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के साथ बैठक कर स्कूल में शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने के लिए किए जाने वाले प्रयास को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मौके पर विधायक मनोज कुमार विश्वास ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है, ताकि क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य मिल सके।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भागलपुर जिला प्रशासन द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन

भागलपुर, (एजेंसी) : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भागलपुर जिला प्रशासन द्वारा टाउन हॉल, भागलपुर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका, उनके योगदान तथा महिला सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करना था। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों की महिला पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भागलपुर के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) प्रदीप कुमार सिंह ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सामाजिक परिवर्तन अत्यंत आवश्यक है और इस परिवर्तन का नेतृत्व महिलाओं को ही करना होगा। उन्होंने कहा कि जब महिलाएँ आगे बढ़ती हैं तो परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र का विकास संभव होता है। इस

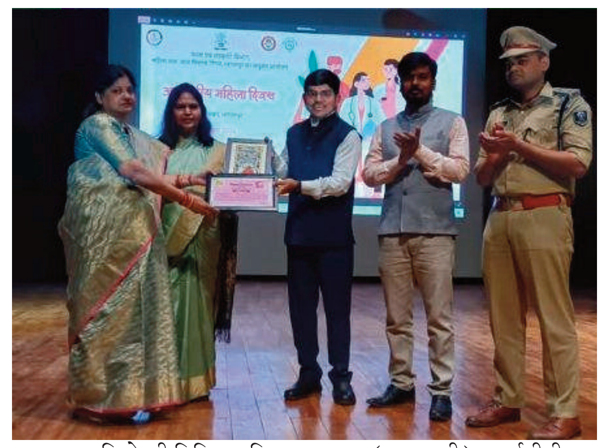

अवसर पर जिले की विभिन्न महिला पदाधिकारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र और सम्मान चिह्न प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिला अधिकारियों के योगदान को प्रेरणादायक बताते हुए उन्हें समाज के लिए उदाहरण बताया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), आईसीडीएस, शिक्षा तथा अन्य विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। इन महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिला प्रशासन ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी इसी प्रकार कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में भागलपुर के मेयर, नगर आयुक्त तथा सिटी एसपी सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में महिला सशक्तिकरण के महत्व पर विशेष रूप से जोर दिया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समान अवसरों के माध्यम से ही महिलाओं को समाज में सशक्त बनाया जा सकता है। जिला प्रशासन ने आशा व्यक्त की कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे और वे समाज के विकास में और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

ई-कचहरी एवं ग्राम कचहरी पर सरपंचों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पूर्णिया, (एजेंसी) : जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआ-रसी) पूर्णिया में ई-कचहरी विषयों पर सरपंच, न्याय मित्र, कचहरी सचिव तथा प्रखंड कार्यपालक सहायकों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षक पप्पू कुमार शर्मा ने प्रशिक्षण में ग्राम कचहरी के विभिन्न कार्यों पर विस्तार से प्रकार डाला गया। जैसे वाद दर्ज करनाः पक्षकारों के लिखित आवेदन या पुलिस रिपोर्ट पर सिविल/आपराधिक मामले दर्ज करना (जैसे भूमि विवाद, पारिवारिक झगड़े- धारा 90 के तहत); सुनवाई आयोजित करनाः सरपंच की अध्यक्षता में पंचों और न्याय मित्र की सहायता से साक्ष्य संग्रह एवं स्थल का निरीक्षण; निर्णय पारित करनाः सुनवाई के बाद लिखित आदेश जारी करना (धारा 89-91), सभी सदस्यों के हस्ताक्षर सहित आदेश का कार्यान्वयन, फैसले को लागू कराना, अपील पर पटना उच्च न्यायालय को ससमय समर्पित करना। ग्राम कचहरी की पारंपरिक प्रक्रिया को डिजिटल ई-कचहरी से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। ई-कचहरी को इसका डिजिटल संस्करण बताते हुए ऑनलाइन शिकायत दर्ज करना, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई और डिजिटल सत्यापन पर प्रैक्टिकल डेमो दिया गया। जिससे त्वरित एवं पारदर्शी न्याय सुनिश्चित हो। डीपीआरसी नोडल पदाधिकारी दीपक कुमार साह ने कहा कि ग्राम कचहरी हमारी सांस्कृतिक विरासत है, जबकि ई-कचहरी इसे आधुनिक बनाती है। यह ग्रामीणों को घर बैठे समय पर न्याय उपलब्ध कराएगा। जिला पंचायत राज पदाधिकारी सुजय कुमार सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करेगा। ई-कचहरी से ग्राम स्तर पर न्याय प्रक्रिया तेज और प्रभावी बनेगी। जिससे ग्रामीण विवादों का त्वरित निपटारा संभव होगा। प्रशिक्षु सरपंच रजनी देवी (प्रखंड डगरूआ, ग्राम कचहरी बभनी) ने कहा, यह प्रशिक्षण बहुत उपयोगी है, अब हम गांव में ई-कचहरी चालू कर विवादों का तेजी से निपटारा करेंगे।

योजना मद के बचे हुए करोड़ो रुपए की राशि को इस वितीय वर्ष में विकास कार्य मे लगाने की मांग जिप सदस्यों ने की

मधुबनी, (एजेंसी) : जिला परिषद की सामान्य बैठक सोमवार को जिप अध्यक्ष बिंदु गुलाब यादव की अध्यक्षता में डीआरडीए के सभागार में हुई। बैठक में सात एजेंडों पर चर्चा होनी थी। इनमें पिछले जिला परिषद की बैठक की संपुष्टि, अनुपालन पर विचार, विभागीय समीक्षा में कृषि, स्वास्थ्य सहित सभी संबद्ध विभाग, जिला परिषद के स्तर से संचालित सभी मद की योजनाओं की समीक्षा, जिला परिषद को प्राप्त राशि के विरुद्ध नई योजनाओं के निर्माण पर विचार विमर्श एवं जिला परिषद के खाली मार्केट कांप्लेक्स के दुकानों में आवंटन करने से संबंधित कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में आये पदाधिकारियों को सदन की अनुमति से बाहर कर दिया गया। जिला परिषद अध्यक्ष बिंदु गुलाब यादव ने कहा कि जिला परिषद के विकास से संबंधित विषयों पर विभिन्न विकास मद सहित अन्य मदों के करोड़ो रुपए की राशि को खर्च करने के संबंध का मुद्दा सदस्यों ने उठाया। बैठक में पिछले वित्तीय वर्ष के बचे हुए लगभग 50 करोड़ रुपए की राशि को विभिन्न योजना मदों में खर्च करने पर चर्चा हुई। छठे वित्त आयोग की बची हुई राशि को योजनाओं में खर्च करना है। बैठक में 35 से ऊपर जिला परिषद सदस्य मौजूद थे। बैठक के बाद डीडीसी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद सुमन कुमार साह ने कहा कि सदस्यों से कहा गया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र की योजनाओं का तीन दिनों के अंदर एक सूची बनाकर अध्यक्ष महोदय से अनुमोदन कराकर दें। योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए राशि की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। बैठक में क्षेत्र संख्या 23 के जिला पार्षद रणधीर खन्ना ने बाहुबरही प्रखंड के पिरही पंचायत के पिरही गांव से स्तनपतही गांव होते हुए मुख्य सड़क तक सड़क निर्माण कराने की मांग की। नेघरा पंचायत के बरेल में मुख्य सड़क से बरेल उच्च विद्यालय तक पीसीसी सड़क का निर्माण सहित कई मांगों को रखा। क्षेत्र संख्या 20 कलुआही की जिला पार्षद रेणु देवी ने बैठक में कलुआही प्रखंड में विगत 10 वर्षों से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के अधूरे भवन के निर्माण की मांग की। उन्होंने विद्यालय अध्यापक काउंसलिंग में तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार के द्वारा कितनी राशि खर्च किया गया के विवरणी देने की मांग की। क्षेत्र संख्या 18 लदनियां की पार्षद ललिता देवी ने अध्यक्ष से स्वास्थ्य विभाग से संबंधित प्रस्ताव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लदनियां एवं अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र मिजार्पुर में 24 घंटे आपात सेवा सहित कई मांगे रखी। बैठक में विधान पार्षद घनश्याम ठाकुर, जिप उपाध्यक्ष संजय कुमार, जिप सदस्य लक्ष्मी कुमारी, मो.रजाउद्दीन, संजय राम, जितेंद्र कुमार भारती, दीपक कुमार सिंह, अलका झा, ज्योति कुमारी सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

नगवां गांव में पंचायत सरकार भवन निर्माण में बाधा उत्पन्न को लेकर पथराव व हमला

16 नामजद समेत 15-20 अज्ञात पर प्राथमिकी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के नगवां गांव में पंचायत सरकार भवन के निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने, सरकारी कर्मियों व मजदूरों पर हमला करने तथा पथराव करने के आरोप में 16 नामजद सहित 15 से 20 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी प्रमोद कुमार साव के लिखित आवेदन के आधार पर दर्ज किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगवां पंचायत में पंचायत सरकार भवन के निर्माण के लिए मौजा नगवां की सरकारी भूमि का चयन किया गया था। निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कई बार निर्देश दिए गए थे, लेकिन कुछ स्थानीय लोगों द्वारा इसका विरोध करते हुए बार-बार कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही थी।

बताया जाता है कि बीते 31 दिसंबर 2025 को पुलिस बल की मौजूदगी में निर्माण कार्य शुरू कराने का प्रयास किया गया था। इस दौरान कुछ लोगों ने विरोध करते हुए सरकारी कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और पथराव कर दिया। पथराव की घटना में पुलिस बल के सहयोगी पप्पू कुमार पासवान घायल हो गए और उनका एक दांत भी टूट गया। इसके बावजूद निर्माण कार्य में लगातार व्यवधान डाला जाता रहा। बताया गया है कि रविवार को पुनः प्रखंड प्रशासन, पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल की मौजूदगी में निर्माण कार्य शुरू कराने का प्रयास किया गया। इस दौरान उक्त जमीन पर अवैध कब्जा जमाए कुछ ग्रामीणों ने मजदूरों पर हमला करने की कोशिश की। संवेदक की जेसीबी मशीन पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया तथा निर्माण सामग्री को भी नुकसान पहुंचाया गया। स्थिति बिगड़ने पर सरकारी कर्मियों और मजदूरों को जान बचाकर वहां से भागना पड़ा।थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच की जिम्मेदारी अवर निरीक्षक अंबुज कुमार को सौंपी गई है। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है और दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

रेलवन ऐप को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

भागलपुर, (एजेंसी) : डिजिटल सुविधा और निर्बाध यात्री सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में पूर्व रेलवे ने यात्रियों को 'ऑल-इन-वन' 'रेलवन' मोबाइल एप्लिकेशन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अपने जागरूकता अभियान को तेज कर दिया है। रेल उपयोगकताओं के बीच रेलवन ऐप को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से चलाया गया। यह सप्ताह भर का अभियान अपने तीसरे दिन में प्रवेश कर गया, जिसमें पूरे जोन के यात्रियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और मजबूत प्रतिक्रिया देखी गई।पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए, रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और विभिन्न जिलों के भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों ने पूर्व रेलवे के सभी मंडलों और कारखानों के महत्वपूर्ण स्टेशनों और अधिक भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर रेलवन ऐप के प्रचार-प्रसार का अभियान चलाया। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को रेलवन ऐप से परिचित कराना है। एक एकल डिजिटल प्लेटफॉर्म जो कई रेलवे सेवाओं को एकीकृत करता है, जिससे यात्रा की योजना बनाना और रेलवे के साथ संवाद करना तेज, सरल और अधिक सुविधाजनक हो जाता है।जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में सियालदह मंडल के अंतर्गत सियालदह, दमदम जंक्शन, सोदपुर, बैरकपुर, नैहाटी और कांचरापाड़ा स्टेशनों; मालदा मंडल के अंतर्गत मालदा टाउन, साहिबगंज, भागलपुर, बरहरवा और जमालपुर स्टेशनों तथा आसनसोल मंडल के अंतर्गत आसनसोल, दुगार्पुर और जसीडीह स्टेशनों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

फतेहपुर की पंचायतों में पहुंचेगी पीएचईडी टीम, चापानलों की मरम्मत को लेकर चलेगी अभियान

जनप्रतिनिधियों से खराब चापाकलों की सूची उपलब्ध कराने की अपील

9 मार्च से 15 अप्रैल तक अलग-अलग पंचायतों में चलेगा मरम्मत कार्य

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र में गर्मी के मौसम से पहले पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने की पहल शुरू कर दी गई है। इसके तहत प्रखंड के सभी पंचायतों में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत के लिए तिथि निर्धारित कर दी गई है। जिला मुख्यालय से जारी कार्यक्रम के अनुसार पीएचईडी विभाग की टीम प्रखंड के 18 पंचायतों एवं एक नगर पंचायत में पहुंचकर खराब चापाकलों की मरम्मत करेगी।बीडीओ शशि भूषण साहू ने बताया कि गर्मी के दौरान पेयजल संकट से निपटने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी पंचायत प्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्र में खराब पड़े चापाकलों की सूची तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराने की अपील की है, ताकि निर्धारित तिथि पर टीम पहुंचकर मरम्मत कार्य कर सके। उन्होंने कहा कि समय पर सूची मिलने से अधिक से अधिक चापाकलों को ठीक कराया जा सकेगा और लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।

अधिकारियों ने बताया कि जारी कार्यक्रम के अनुसार 9 व 10 मार्च को फतेहपुर, 11 व 12 मार्च को नौडीहा झुरांग, 13 व 14 मार्च को डुमरीचट्टी, 15 व 16 मार्च को मेयारी, 17 व 18 मार्च को नौडीहा सुल्तानपुर, 19 व 20 मार्च को नगवां, 21 व 22 मार्च को दक्षिणी लोधवे, 23 व 24 मार्च को कठौतिया केवाल, 25व 26 मार्च को जयपुर, 27 व 28 मार्च को चरोखरी, 29 व 30 मार्च को धरहाराकला, 31 मार्च व 1 अप्रैल को मोरहे, 2 व 3 अप्रैल को सलैयाकला, 4 व 5 अप्रैल को पहाड़पुर, 6 व 7 अप्रैल को मतासो, 8 व 9 अप्रैल को भारे, 10 व 11 अप्रैल को नीमी, 12 व 13 अप्रैल को उत्तरी लोधवे और 14 व 15 अप्रैल को बारा पंचायत में चापाकलों की मरम्मत की जाएगी।पीएचईडी के जेई शारदा सुमन ने बताया कि अभियान के तहत अधिक से अधिक खराब चापाकलों को ठीक करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि ग्रामीणों को समय पर पेयजल सुविधा मिल सके। इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा की गई है।

12 मार्च को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्मृद्धि यात्रा पर आएंगे पूर्णिया, तैयारियों में जुटा है प्रशासन

पूर्णिया, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बिहार के पूर्णिया में दिनांक 12 मार्च को स्मृद्धि यात्रा कार्यक्रम संभावित है। इसी कड़ी में सोमवार को पूर्णिया के जिलाधिकारी अंशुल कुमार द्वारा डेयरी मत्स्य पशु संसाधन विभाग जिला स्तरीय संसाधन प्रशिक्षण केंद्र जिला पूर्णिया तथा इंदिरा गांधी स्टेडियम रंगभूमि मैदान पूर्णिया एवं मां पूरण देवी मंदिर सिद्धिपीठ परिसर का जायजा लिया गया। मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां बेहतर ढंग से ससमय पूरा करने तथा विधि व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

सासाराम-धनबाद इंटरसिटी में उमड़ी यात्रियों की भीड़, सुरक्षा में तैनात आरपीएफ की टीम

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्लेटफार्मों से लेकर फुट ओवर ब्रिज तक यात्रियों की भीड़ नजर आयी। खासकर महाबोधि एक्सप्रेस और सासारामझ धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस के आगमन के समय स्थिति और भी अधिक भीड़भाड़ वाली हो गई।

बड़ी संख्या में यात्री ट्रेन में सवार होने के लिए प्लेटफार्म पर एकत्र हो गए जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई।भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ के जवान सहित टिकट चेकिंग कर्मी भी लगातार मुस्तैद रहे। सुरक्षा कर्मियों ने प्लेटफार्म और फुट ओवर ब्रिज पर निगरानी रखी तथा यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से ट्रेन में चढ़ने और उतरने के लिए निर्देश देते रहे। आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने बताया कि होली का त्योहार समाप्त होने के साथ ही अचानक यात्रियों मि बढ़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया। आरपीएफ और जीआरपी के अलावा टिकट जांच विभाग के कर्मी भी सक्रिय रहे और स्टेशन परिसर में लगातार गश्त करते रहे। अधिकारियों का कहना है कि भीड़ के बीच किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। यात्रियों की भारी भीड़ के बावजूद सुरक्षा बलों की सक्रियता से स्थिति नियंत्रित रही।

संपादकीय

अमेरिका बताए वह क्या करना चाहता है? पुतिन

रूस के राष्ट्रपति वलादिमीर पुतिन के हालिया बयान ने अंतर्राष्ट्रीय जगत की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पुतिन के इस बयान से अमेरिका की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुतिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, रूस वर्तमान स्थिति मे जो संघर्ष दुनिया के कई देशों के बीच में चल रहे हैं, उसमें वह तटस्थ नहीं है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर जो हमला किया गया है उसमें रूस ईरान के साथ खड़ा है। यह बयान ऐसे समय पर आया है। जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ रहा है। सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ रही है। पुतिन का यह रुख मात्र एक बयान नहीं है बल्कि इसे पश्चिमी देशों की नीतियों एवं दादागिरी पर सीधी चुनौती के रूप में माना जा रहा है। रूस का आरोप है, अमेरिका और उसके सहयोगी देश अंतर्राष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं। इसी संदर्भ में पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों जिसमे अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन (पी5) देशों की बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन का कहना है, दुनिया की महाशक्तियों को यह तय करना होगा, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ह्लकानून के शासनह्व (रुल ऑफ लॉ) से चलेगी या फिर ताकत के आधार पर एक देश दूसरे देशों के साथ व्यवहार करेंगे। रूस का कहना है, आज की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून केवल कागजों तक सीमित रह गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की कोई भूमिका देखने को नहीं मिल रही है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, वास्तविकता में शक्तिशाली देश अपने हितों के अनुसार निर्णय लेते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। यदि यही स्थिति जारी रही तो, अन्य देश भी उसी रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होंगे। जिसके कारण सारी दुनिया एक बार फिर संघर्ष की स्थिति में जाकर खड़ी हो जाएगी। इससे वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित कर पाना असंभव होगा। पुतिन के इस बयान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है, रूस ने सीधे तौर पर ईरान के प्रति अपना खुला समर्थन जताया है। पश्चिमी देशों के द्वारा जिस तरह से मनमाने तरीके से कार्यवाही की जा रही है, उसको पूरी तरह से अस्वीकार करते हुए चेतावनी दी है। पश्चिमी और कुछ अरब देशों द्वारा ईरान को इस संघर्ष का मुख्य जिम्मेदार बताया जा रहा है। पुतिन ने इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। रूस का कहना है, ईरान केवल हमलों का जवाब दे रहा है। अमेरिका और इजरायल ने उस पर जो हमला किया था ईरान को अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है।

दुःख का कारण हमारी चित्तवृत्तिओं का प्रभाव ही है।

: भगवान श्री कृष्ण

कर्म की उत्पत्ति विचार में है, अतः विचार ही महत्त्वपूर्ण हैं।

:साई बाबा

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आजादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मजबूती से उनके साथ खड़े रहे।

पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे जुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया ह्यबालहत्या रोकथाम गृहह्ण नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मजबूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमजोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मजबूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर छुआछूत और जाति व्यवस्था को खत्म करने, निचली जातियों के लोगों के लिए बराबर अधिकार दिलाने और हिंदू पारिवारिक जीवन में सुधार लाने की कोशिशों में साथ दिया। इस जोड़े ने अपने घर में अछूतों के लिए एक कुआँ खोला, उस जमाने में जब अछूत की परछाई भी अपवित्र मानी जाती थी और लोग प्यासे अछूतों को पानी देने से भी हिचकिचाते थे। वह ज्योतिराव द्वारा 24 सितंबर, 1873 को पुणे में शुरू किए गए ह्यसत्यशोधक समाजह्ण नाम के एक सोशल रिफॉर्म सोसाइटी से भी जुड़ी थीं। समाज का मकसद, जिसमें मुस्लिम, गैर-ब्राह्मण, ब्राह्मण और सरकारी अधिकारी मेंबर के तौर पर शामिल थे, महिलाओं, शूद्रों, दलितों और दूसरे कमजोर लोगों को जुल्म और शोषण से आजाद कराना था। इस जोड़े ने समाज में बिना किसी पुजारी या दहेज के कम खर्च में शादियां कीं। ऐसी शादियों में दूल्हा और दुल्हन दोनों ने शादी की कसमें खाईं। सावित्रीबाई ने इसके महिला सेक्शन की हेड के तौर पर काम किया और 28 नवंबर, 1890 को अपने पति की मौत के बाद, वह समाज की चेयरपर्सन बन गईं। सावित्रीबाई ने अपनी आखिरी सांस तक समाज के जरिए अपने पति के काम को आगे बढ़ाया। 1876 से शुरू हुए अकाल के दौरान उन्होंने और उनके पति ने बिना डरे काम किया। उन्होंने न सिर्फ. अलग-अलग इलाकों में मुफ़्त खाना बांटा, बल्कि महाराष्ट्र में 52 मुफ़्त फूड हॉस्टल भी शुरू किए। सावित्रीबाई ने 1897 के सूखे के दौरान ब्रिटिश सरकार को राहत काम शुरू करने के लिए भी मनाया। इस शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता ने जाति और लिंग भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। काव्य फुले (1934) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1982) उनकी कविताओं का कलेक्शन हैं।

संजय गोस्वामी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ज्ञान की जननी सावित्रीबाई फुले:जिन्होंने समाज की बेड़ियाँ काटकर उड़ना सिखाया

सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका (महिला शिक्षा की अग्रदूत) ही नहीं, बल्कि एक प्रखर विचारक, महिला सशक्तीकरण की प्रेरणा, सामाजिक न्याय के संघर्ष की प्रतीक और महान समाज सुधारक थीं। प्रत्येक वर्ष 10 मार्च को उनकी पुण्यतिथि मनाई जाती है। यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 1848 में उन्होंने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर पुणे के भिंडेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत का पहला आधुनिक विद्यालय शुरू किया था। वे भारत की पहली महिला प्रधानाध्यापिका (हेडमिस्ट्रेस) भी बनीं। उस दौर में किसी महिला द्वारा प्रशासनिक पद संभालना अपने आप में एक क्रांतिकारी व बड़ा साहसिक कदम था। साहसिक व बड़ा कदम इसलिए क्योंकि उस समय भारतीय समाज में लड़कियों की शिक्षा को स्वीकार नहीं किया जाता था। जिस समय समाज के एक बड़े वर्ग को वेदों और शिक्षा से दूर रखा जाता था, उस समय सावित्रीबाई फुले ने दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को संबोधित करते हुए यह बात कही थी कि- सुनहरे अवसर को हाथ से न जाने दें। उन्होंने शिक्षा को दुखों का अंत करने वाली संजीवनी बताया। वास्तव में, उनका मानना था कि शिक्षा केवल अक्षर-ज्ञान नहीं, बल्कि शिक्षा तो अन्याय और समाज में फैली कुरीतियों, कुप्रथाओं के विरुद्ध खड़े होने का साहस है। कहना गलत नहीं होगा कि सावित्रीबाई फुले ने ऐसे समय में महिला शिक्षा की मशाल जलाई, जब लड़कियों को पढ़ाना समाज में पाप समझा जाता था। कहते हैं कि वे जब स्कूल पढ़ाने जाती थीं, तब कई लोग उनका विरोध करते थे और उन पर पत्थर तथा कीचड़ तक फेंकते थे। यही कारण था कि वे अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी लेकर चलती थीं, ताकि स्कूल पहुँचकर कपड़े बदल सकें। उनका जीवन केवल साक्षरता तक सीमित नहीं था, बल्कि वे आर्थिक और वैचारिक स्वतंत्रता की भी मुखर समर्थक थीं। उनका साहस, त्याग और समाज सुधार के कार्य, आज भी भारत के लिए प्रेरणा का स्रोत है।सावित्रीबाई फुले का नाम भारत की पहली महिला कवयित्रियों में भी लिया जाता है। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और समानता पर अनेक कविताएँ लिखीं। उनकी प्रमुख कृतियों में काव्य फुले (1854) और बावनकशी सुबोध रत्नाकर (1892) शामिल हैं। बावनकशी सुबोध रत्नाकर वस्तुतः ज्योतिबा फुले की जीवनी के रूप में लिखी गई काव्य रचना है, जिसमें पेशवा शासन के पतन और ज्योतिबा फुले के संघर्षों का सटीक ऐतिहासिक तथा सामाजिक चित्रण मिलता है। उनकी कविताओं में शिक्षा की महत्ता और जाति प्रथा के विरुद्ध तीखा प्रतिरोध दिखाई देता है, इसलिए उन्हें आधुनिक मराठी कविता का अग्रदूत भी माना जाता है।उनकी प्रसिद्ध कविता जाओ, शिक्षा प्राप्त करो (मराठी : ह्यजा, शिकवण घ्याह्ण) केवल एक कविता नहीं, बल्कि आधुनिक भारत का क्रांतिकारी घोषणापत्र मानी जाती है। यह कविता उनके काव्य संग्रह काव्य फुले का हिस्सा है। इस कविता में वे लिखती हैं- जाओ, शिक्षा प्राप्त करो, स्वावलंबी बनो, काम करो, ज्ञान और धन अर्जित करो।ज्ञान के बिना सब कुछ खो जाता है, ज्ञान के बिना हम पशु समान हो जाते हैं। इसलिए खाली मत बैठो, जाओ और शिक्षा प्राप्त करो। उनकी यह कविता दर्शाती है कि सावित्रीबाई फुले शिक्षा को सबसे अनमोल संपत्ति मानती थीं। उनके अनुसार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञान है। उनका मानना था कि गरीबी या जाति से भी बड़ी बाधा अज्ञान है, क्योंकि विद्या के बिना मनुष्य का विवेक नष्ट हो जाता है और वह शोषण का शिकार बनता है। वे विशेष रूप से महिलाओं के स्वावलंबन पर जोर देती थीं। उनके अनुसार शिक्षा का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति को अपने पैरों पर खड़ा करना और आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना है। उन्होंने समाज को यह स्पष्ट संदेश दिया कि आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और जो समय बीत गया वह वापस नहीं आता, इसलिए आज ही शिक्षा प्राप्त करने का संकल्प लेना चाहिए।

वर्ष 1890 में ज्योतिराव फुले के निधन के बाद सावित्रीबाई फुले ने सत्यशोधक समाज की कमान संभाली। उन्होंने इसके सम्मेलनों की अध्यक्षता की और संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया, जो उस समय के पुरुष प्रधान समाज में एक ऐतिहासिक उदाहरण था। ज्योतिबा फुले की मृत्यु के समय समाज की परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार में मुखाग्नि देने का अधिकार केवल पुरुष उत्तराधिकारी को होता था, लेकिन सावित्रीबाई फुले ने इस परंपरा को तोड़ते हुए स्वयं आगे बढ़कर उनके पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। उन्नीसवीं सदी के भारत में किसी महिला द्वारा अंतिम संस्कार करना अकल्पनीय साहस का कार्य था। उन्होंने विवाह की एक नई पद्धति भी प्रारंभ की, जिसे सत्यशोधक विवाह कहा गया। इस विवाह पद्धति में ब्राह्मण पुजारियों की आवश्यकता नहीं होती थी और दहेज प्रथा का पूर्णतः विरोध किया जाता था। विवाह के मंत्रों के स्थान पर ऐसे संकल्प लिए जाते थे, जिनमें स्त्री-पुरुष समानता और शिक्षा पर बल दिया जाता था। सावित्रीबाई फुले ने बाल विवाह, सती प्रथा और छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई तथा विधवाओं और अनाथ बच्चों के लिए आश्रय गृहों की स्थापना की।

महिलाओं के अधिकारों के लिए उन्होंने 1852 में महिला सेवा मंडल की स्थापना की, जिसका उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने विधवाओं के सिर मुंडवाने की अमानवीय प्रथा के खिलाफ नाइयों को संगठित किया, जिसके परिणामस्वरूप कई नाइयों ने विधवाओं के बाल काटने से इनकार कर दिया। उन्होंने दलितों और अछूतों के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया। उस समय अछूतों को सार्वजनिक कुओं से पानी लेने की अनुमति नहीं थी, इसलिए उन्होंने अपने घर का पानी का हौज उनके लिए खोल दिया। यह कदम उस समय के कट्टरपंथी समाज के लिए एक बड़ा सामाजिक संदेश था।

सुनील कुमार महला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7446

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7445 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

दैनिक पंचांग

10 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2026 वर्ष का 69 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि सप्तमी 01.55 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 19.05 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 08.21 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 12.41 बजे तदनन्तर बव 01.55 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 11'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872644
जूलियन दिन 2461109.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 20
विशेष शीतला सप्तमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.32 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	08.02 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.42 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.41 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.54 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.10 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.22 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.33 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.47 ब.से
राहुकाल		धनु	01.03 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	03.09 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.55 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत की औद्योगिक सुरक्षा का सशक्त प्रहरी सीआईएसएफ

भारत के विकास की गति केवल आर्थिक योजनाओं और औद्योगिक विस्तार से तय नहीं होती बल्कि उन संस्थानों की सुरक्षा से भी तय होती है जो देश की आर्थिक शक्ति के आधार हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति तभी स्थायी और सुरक्षित हो सकती है जब उसके महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान पूरी तरह सुरक्षित हों। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की स्थापना की गई। यह बल आज देश की औद्योगिक संरचना की सुरक्षा का सबसे मजबूत आधार बन चुका है और राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सीआईएसएफ का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष 10 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन उन हजारों जवानों के साहस अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने का अवसर है जो देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2025 में 56वाँ स्थापना दिवस तमिलनाडु के थक्कोलम में आयोजित किया गया जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को संसद द्वारा पारित कानून के अंतर्गत की गई थी। उस समय देश में सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की आवश्यकता तेजी से महसूस की जा रही थी। प्रारंभ में इस बल में केवल तीन बटालियन और लगभग 2800 कर्मी थे। उस समय इसकी भूमिका सीमित थी लेकिन इसका उद्देश्य स्पष्ट था कि देश की औद्योगिक और रणनीतिक संपत्तियों को सुरक्षित रखा जाए।

समय के साथ भारत के औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ और उसके साथ ही सीआईएसएफ की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती चली गईं। आज यह बल लगभग दो लाख कर्मियों की शक्ति के साथ देश के सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा संगठनों में शामिल हो चुका है। यह बल देश के 70 से अधिक हवाई अड्डों और सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात है। इसकी कार्यक्षमता और अनुशासन के कारण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र का एक मजबूत स्तंभ माना जाता है।

सीआईएसएफ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना है। भारत के पेट्रोलियम संयंत्र इस्पात उद्योग कोयला खदान और ऊर्जा केंद्र देश की आर्थिक रीढ़ हैं। इन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इन पर किसी भी प्रकार का खतरा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। सीआईएसएफ के प्रशिक्षित जवान इन क्षेत्रों में चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संभावित खतरे को रोकने का कार्य करते हैं।

यह बल देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की सुरक्षा भी करता है। ऐसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रगति के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। सीआईएसएफ आधुनिक निगरानी प्रणाली तकनीकी उपकरणों और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से इन संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

हवाई अड्डों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विमानन क्षेत्र में सुरक्षा सबसे संवेदनशील विषयों मंष से एक है क्योंकि यह सीधे लाखों यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा होता है। सीआईएसएफ के जवान यात्रियों की जांच सामान की स्कैनिंग और परिसर की निगरानी जैसे कार्यों को अत्यंत सावधानी और अनुशासन के साथ निभाते हैं। इसी प्रकार मेट्रो रेल नेटवर्क की सुरक्षा भी सीआईएसएफ की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है।भारत के कई महानगरों में लाखों लोग प्रतिदिन मेट्रो सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। सीआईएसएफ के जवान मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों में सतर्कता के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करते हैं।

सीआईएसएफ केवल औद्योगिक और परिवहन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश की सांस्कृतिक धरोहरों और महत्वपूर्ण सरकारी भवनों की सुरक्षा भी करता है। विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल सहित कई ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बल पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ राष्ट्रीय धरोहरों की रक्षा का कार्य भी करता है।

समय के साथ बदलती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए सीआईएसएफ ने स्वयं को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाया है। ड्रोन निगरानी डिजिटल सुरक्षा प्रणाली और आधुनिक हथियारों के उपयोग के माध्यम से यह बल अपनी क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। सुरक्षा के क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने के कारण यह बल आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बन रहा है।

सरकार ने सीआईएसएफ को हाइब्रिड मॉडल के माध्यम से और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इस मॉडल के अंतर्गत अब निजी औद्योगिक संस्थानों को भी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे देश के औद्योगिक ढांचे की सुरक्षा और अधिक व्यापक और मजबूत हो सकेगी।

सीआईएसएफ के जवानों का प्रशिक्षण भी अत्यंत कठोर और व्यवस्थित होता है। भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता को विशेष महत्व दिया जाता है ताकि जवान हर परिस्थिति में सक्षम और सक्रिय रह सकें। नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास के माध्यम से उन्हें आधुनिक सुरक्षा तकनीकों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जाता है।

देश की आंतरिक सुरक्षा में भी सीआईएसएफ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के साथ समन्वय कर इसने कई अभियानों में सहयोग दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में इस बल की सक्रिय भूमिका ने इसे एक विश्वसनीय सुरक्षा संस्था के रूप में स्थापित किया है।सीआईएसएफ का आदर्श वाक्य संरक्षण और सुरक्षा है। यह केवल एक नारा नहीं बल्कि बल के प्रत्येक जवान की कार्य भावना का प्रतीक है। सीआईएसएफ के जवान हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। उनके साहस अनुशासन और समर्पण के कारण ही देश की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियाँ सुरक्षित रह पाती हैं।

कांतिलाल मांडोत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ में पिछले साल 982 बच्चे लापता ,582 बरामद

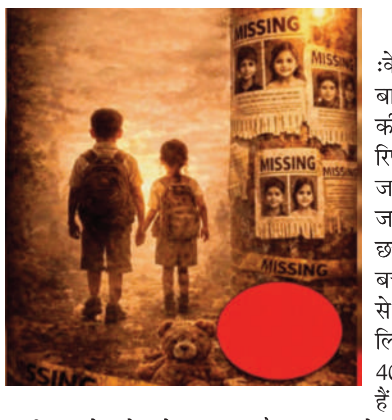

रायपुर, (एजेंसी) :केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार, 01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच छत्तीसगढ़ से 982 बच्चे लापता हुए। इनमें से 582 को बरामद कर लिया गया है, जबकि 400 अभी भी लापता हैं। इस मामले में छत्तीसगढ़ देश में छठे स्थान पर है, जहां 14 से 17 वर्ष की लड़कियां सबसे अधिक प्रभावित हैं।

आठ मार्च 2026 को जारी 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार, इन आंकड़ों के साथ छत्तीसगढ़ देश में लापता बच्चों के मामलों में छठे स्थान पर है। पिछले पांच वर्षों से राज्य लगातार टॉप-10 राज्यों में बना हुआ है। आंकड़ों के विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के किशोर सबसे अधिक प्रभावित हैं। इस आयु वर्ग में लड़कियों की संख्या लड़कों की तुलना में अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि मानव तस्करी, बाल श्रम, पारिवारिक विवाद या घर से भागने जैसी कई वजहें बच्चों के लापता होने के पीछे हो सकती हैं।

छत्तीसगढ़ पुलिस के अनुसार, आपरेशन मुस्कान अभियान के तहत विशेष सफलता हासिल की गई है ।राज्य पुलिस की टीमें बच्चों की खोज में 18 से अधिक राज्यों (जैसे महाराष्ट्र, तेलंगाना, यूपी, और दिल्ली) तक पहुंची ।अकेले जांजगीर-चांपा जिले से सबसे अधिक (76) बच्चे बरामद किए गए, इसके बाद रायपुर (56) और बिलासपुर (52) का स्थान रहा। लापता होने के प्रमुख कारणों में पारिवारिक विवाद, गरीबी, और सोशल मीडिया के माध्यम से गुमराह होना पाया गया है।

'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार, देशभर में पश्चिम बंगाल इस मामले में पहले स्थान पर है, जहां इस अवधि में 19,145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15,465 बच्चों को खोज लिया गया, लेकिन 3,680 बच्चे अब भी लापता हैं। वहीं मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए और इनमें से 1,059 बच्चों का अब तक पता नहीं चल पाया है। नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेलीमें इस अवधि के दौरान बच्चों के लापता होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई।

मणिपुर के अलग-अलग इलाकों से दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, (एजेंसी) : मणिपुर में पुलिस एवं सुरक्षा बल लगातार उग्रवादियों, अवैध हथियार एवं धन उगाही से जुड़े लोगों के विरूद्ध अभियान चला रहे हैं। जिसमें लगातार सफलता मिल रही है। वहीं संवेदनशील इलाकों में वाहनों की आवाजाही को सुरक्षित बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार बीते रविवार को मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के थंगल बाजार के प्रजातंत्र गली से एक उग्रवादी संगठन प्रीपाक के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। कैडर की पहचान इंफाल पूर्व जिले के कियामगेई अवांग लेइकाई निवासी थोंगम्बा ताखेलंबम सिंह (27) के रूप में की गयी है। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने इसी दिन धन उगाही में लिप्त सोरेपा संगठन के एक सक्रिय कैडर लाईहाओरुंगबाम सनतोम्बा सिंह (48) उर्फ अशोक उर्फ तायई को गिरफ्तार किया। उसे इंफाल ईस्ट जिला के पोरोमपट स्थित उसके वर्तमान घर गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक टू-व्हीलर, यामाहा सिग्नस रे स्कूटर, एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड बरामद किया गया।पुलिस सूत्रों ने बताया कि, सुरक्षा बल जिलों के दूर-दराज एवं संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और एरिया डोमिनेशन जारी रखे हुए हैं। बीते 24 घंटों के दौरान मणिपुर के अलग-अलग जिलों में, पहाड़ियों और घाटी दोनों में कुल 116 नाके/चेक पॉइंट लगाए गए थे, हालांकि, किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया।

विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन, पश्चिम एशिया तनाव, ऊर्जा सुरक्षा पर सरकार को घेरा

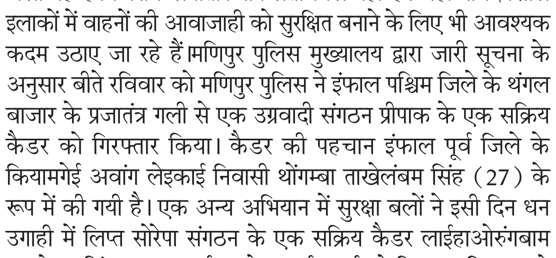

नई दिल्ली,(एजेंसी) :संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हुआ। विपक्षी दलों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर संसद भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया। विपक्ष ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर सरकार पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, सांसद प्रियंका गांधी, किशोरी लाल शर्मा समेत तमाम विपक्षी सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने हाथों में बड़े पोस्टर और बैनर पकड़ रखे थे। इन पोस्टरों पर सरकार के विरोध में नारे लिखे थे। विपक्षी सांसदों ने इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट को इथियोपिया बॉर्डर से वापस दिल्ली लौटना पड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) पर पाबंदियों की वजह से दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई033 को बीच रास्ते से वापस दिल्ली लौटना पड़ा।फ्लाइटराडार24 की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली से मैनचेस्टर के लिए सोमवार को सुबह उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट (संख्या 6ई033) को पश्चिम एशिया एयरस्पेस में पाबंदियों के बीच इथियोपिया सीमा के पास पहुंचकर हवा से ही वापस मुड़ना पड़ा, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं।इंडिगो एयरलाइन ने पिछले साल मुंबई और मैनचेस्टर को जोड़ने वाली अपनी पहली लंबी दूरी की उड़ान शुरू की थी। इसके बाद नवंबर में दिल्ली और मैनचेस्टर के बीच सीधी उड़ानें शुरू की गई थीं। यह 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली से मैनचेस्टर की उड़ान थी। दिल्ली-मैनचेस्टर की ग्रेट सर्कल दूरी 6,829 किमी है और औसत उड़ान समय लगभग 11 घंटे है। इस विमान ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका होते

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में द्रमुक का राज्य सम्मेलन, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन करेंगे संबोधन

तिरुचिरापल्ली, (एजेंसी) : तमिलनाडु में चुनावी माहौल धीरे-धीरे गर्म होता जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को तिरुचिरापल्ली जिले के सिरुगनूर में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के पदाधिकारियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की रणनीति और चुनावी घोषणाओं के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ह्लमुथुवेल करुणानिधि स्टालिन जारी रहें, तमिलनाडु विजयी होह्व (मु. के. स्टालिन थोडाराट्टम, तमिलनाडु वेल्लट्टम) शीर्षक के साथ आयोजित यह सम्मेलन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ दोपहर 3 बजे शुरू होगा। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन शाम करीब 5:30 बजे सम्मेलन स्थल पहुंचेंगे और 110 फीट ऊंचे ध्वज स्तंभ पर द्रमुक का झंडा फहराकर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

मुख्यमंत्री के मंच तक पहुंचने के लिए करीब आधा किलोमीटर लंबा विशेष ह्यरैंपह्ल मार्ग बनाया गया है। इसी मार्ग से गुजरते हुए वे कार्यकताओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए मंच तक पहुंचेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता द्रमुक युवा विंग के सचिव और राज्य के उपमुख्यमंत्री उदयनीधि स्टालिन करेंगे, जबकि मंत्री के.एन. नेहरू स्वागत भाषण देंगे। इसके बाद पार्टी के कई वरिष्ठ नेता अपने विचार रखेंगे और विभिन्न प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। अंत में मुख्यमंत्री स्टालिन मुख्य संबोधन देंगे।

वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी द्रमुक का राज्य सम्मेलन तिरुचिरापल्ली के सिरुगनूर में ही आयोजित हुआ था। उस सम्मेलन में मुख्यमंत्री स्टालिन ने महिलाओं के लिए प्रति माह 1,000 रुपये की अधिकार सहायता राशि सहित सात प्रमुख चुनावी वादों की घोषणा की थी।

ऐसे में माना जा रहा है कि इस बार भी सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री कुछ अहम घोषणाएं और चुनावी वादे कर सकते हैं।

मंत्री के.एन. नेहरू ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह सम्मेलन नए ऐलानों के साथ ऐतिहासिक साबित होगा। उन्होंने संकेत दिया कि द्रमुक के चुनावी घोषणा पत्र से जुड़ी कुछ घोषणाएं मुख्यमंत्री आज ही कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने पहले ही कहा था कि इस सम्मेलन में करीब 10 लाख पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके लिए लगभग 650 एकड़ क्षेत्र में विशाल सम्मेलन स्थल तैयार किया गया है। करीब 50,000 वाहनों की पार्किंग व्यवस्था की गई है।

भीड़ के सुचारु आवागमन के लिए 9 प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। इसके अलावा अत्याधुनिक एलईडी स्क्रीन के साथ विशाल मंच, 110 फीट ऊंचा झंडा स्तंभ और सभी प्रतिभागियों के लिए शाकाहारी व मांसाहारी भोजन, बैठने की व्यवस्था, पीने के पानी और नाश्ते की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। द्रमुक के अनुसार, सम्मेलन के लिए बेहद भव्य और व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में जल्द ही मुख्य चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की जा सकती है। इस चुनाव में द्रमुक और अन्नाद्रमुक गठबंधन के दल मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं, जबकि नाम तमिलर कच्ची अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी है। वहीं तमिलगा वेत्री कजगम (तवेक) का रुख अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, द्रमुक और अन्नाद्रमुक के गठबंधन लगभग तय माने जा रहे हैं। सत्तारूढ़ द्रमुक फिलहाल चुनावी दौड़ में आगे मानी जा रही है और सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है।

मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य का आरोप - चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ की बैठक में मुझे डांटकर चुप कराया गया

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक के बाद तृणमूल कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने दावा किया कि बैठक के दौरान उन्हें डांटकर चुप रहने को कहा गया, जिससे वह बेहद असंतुष्ट हैं।बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि जब उन्होंने अपनी बात रखनी चाही तो मुख्य चुनाव आयुक्त ने उन्हें ह्लडोंट शाउटह्व कहकर रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह व्यवहार महिलाओं के प्रति सम्मान की कमी को दशार्ता है। उनका कहना था कि अगर मतदाता सूची में किसी महिला का नाम नहीं है तो उसे साबित करने की जिम्मेदारी आयोग की है, न कि लोगों को लाइन में खड़े होकर अपनी नागरिकता साबित करनी चाहिए।तृणमूल के प्रतिनिधिमंडल में मौजूद कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने यह धारणा बना दी है कि पश्चिम बंगाल रोहिंग्या और घुसपैठियों का ठिकाना है, जिसके आधार पर आयोग ने नीतियां बनाई हैं। हकीम ने आरोप लगाया कि नागरिकता सत्यापन से जुड़ी प्रक्रिया में आम लोगों को अनावश्यक परेशान किया जा रहा है और कई लोग घंटों लाइन में खड़े होने को मजबूर हैं।उन्होंने कहा कि बीते दो महीनों की प्रक्रिया में घुसपैठ के ठोस प्रमाण सामने नहीं आए, लेकिन भारतीय नागरिकों को ही परेशान किया गया। हकीम ने दावा किया कि इस प्रक्रिया के कारण कई लोग बीमार पड़े और कई मौतें भी हुई हैं। उन्होंने आयोग से अपील की कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी भारतीय नागरिक अधिकारों से वंचित न हो।दूसरी ओर, बैठक के बाद कांग्रेस नेता प्रदीप भट्टाचार्य ने कहा कि उनकी पार्टी का मुख्य मुद्दा चुनाव की निष्पक्षता और सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि चुनाव एक चरण में हो या कई चरणों में, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि मतदान निष्पक्ष और सुरक्षित तरीके से कराया जाए।गौरतलब है कि, पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ राज्य में राजनीतिक दलों और प्रशासन के साथ बैठक कर रही है, जिसमें चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा रही है।

भारत का पश्चिम एशिया संकट पर पैनी नजर, नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी) : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को संसद में कहा कि भारत सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

लोकसभा और राज्यसभा में ह्यपश्चिम एशिया की स्थितिह्न पर दिए गए अपने वक्तव्य में जयशंकर ने बताया कि 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष में इजराइल और अमेरिका एक तरफ हैं और दूसरी तरफ ईरान है, जबकि कई खाड़ी देशों पर भी हमले हुए हैं। इस संघर्ष में भारी जनहानि और बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा संबंधी समिति की बैठक हुई, जिसमें क्षेत्र में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा तथा क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा की गई। समिति को इस इलाके में आने-जाने वाले भारतीय यात्रियों और इन देशों में तय परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को होने वाली मुश्किलों के बारे में बताया गया। इसने सभी संबंधित मंत्रालयों और विभागों को इन समस्याओं से निपटने के लिए सही कदम उठाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री नए डेवलपमेंट पर करीब से नजर रख रहे हैं।विदेश मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया भारत के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते और काम करते हैं, जबकि ईरान में भी हजारों भारतीय छात्र और पेशेवर मौजूद हैं। इसके अलावा यह क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। खाड़ी देश एक बड़ा ट्रेड पार्टनर भी हैं, जो हर साल लगभग 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कारोबार करते हैं। सदन को यह भी पता है कि पिछले दशक में इस इलाके से भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी निवेश हुआ है। इसलिए सप्लाई चेन में गंभीर रुकावटें और अस्थिरता के माहौल को हम गंभीर मुद्दे मानते हैं। इसके अलावा, इनमें मर्चेंट शिपिंग पर हमले भी शामिल हैं, जहां भारतीय नागरिक अक्सर क्रू का एक बड़ा हिस्सा होते हैं।

कोलकाता: कालीघाट मंदिर पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, विरोध प्रदर्शन के बीच किया दर्शन

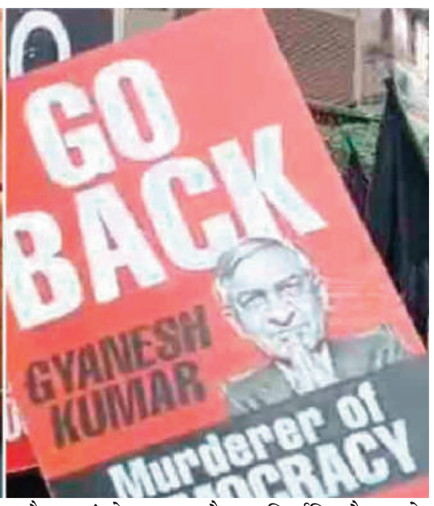

कोलकाता, (एजेंसी) :। पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर आए भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार सोमवार सुबह कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे। इस दौरान मंदिर के बाहर कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारेबाजी की।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के साथ राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल भी मौजूद रहे। दोनों के मंदिर पहुंचने से पहले ही मंदिर परिसर के बाहर प्रदर्शन शुरू हो गया। प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाते हुए निर्वाचन आयोग और विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के माध्यम से मतदाता सूची से कई लोगों के नाम अनावश्यक रूप से हटा दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के सामने ही प्रदर्शनकारियों ने आयोग के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया।

विरोध के बीच ही ज्ञानेश कुमार मंदिर के भीतर प्रवेश कर पूजा-अर्चना की। उस समय उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। मंदिर से बाहर निकलने के बाद पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में उन्होंने केवल इतना कहा, ह्लपश्चिम बंगाल के सभी भाइयों और बहनों को मेरा नमस्कार। काली मां सभी को सुखी रखें। विरोध प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवालों पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और वहां से रवाना हो गए।

निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ रविवार रात को कोलकाता पहुंची थी। इस दौरे में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी शामिल हैं। सोमवार सुबह लगभग 10 बजे आयोग की विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ बैठक निर्धारित है। इसके बाद आयोग राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बैठक करेगा, जिसमें राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक सहित अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार, कालीघाट मंदिर के दर्शन के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त के बेलूर मठ जाने की भी संभावना है।

दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी, केजरीवाल और सिसोदिया सहित 21 को बरी करना अनुचित आदेश

सीबीआई की याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी) : दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति मामले में सीबीआई की याचिका पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को नोटिस जारी कर दिया है। जांच एजेंसी सीबीआई ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और सिसोदिया को बरी करने का निचली अदालत का आदेश अनुचित है। सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि उत्पाद शुल्क नीति का मामला सबसे बड़े घोटालों में से एक है और भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण है।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य को बिना सुनवाई के बरी किया। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने शराब नीति में हेरफेर के लिए साजिश और रिश्वतखोरी को दशार्ने वाले पुख्ता सबूत जुटाए हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं और गवाह सीबीआई के मामले का समर्थन करते हैं। सीबीआई ने कहा कि हमारे द्वारा जुटाए गए सबूतों को नजरअंदाज किया है और केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के खिलाफ हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं और इतना ही नहीं गवाह भी सीबीआई के मामले का समर्थन करते हैं। बीते हफ्ते दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि शराब नीति की जांच के दौरान सीबीआई द्वारा जुटाए गए सबूत नीति को छिपाने, एकतरफापन या संवैधानिक अधिकार के बहिष्कार का प्रथम दृष्टया मामला उजागर करने में विफल रहे, और इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को बरी किया गया था।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर शराब नीति मामले में आरोपी सिसोदिया, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल, तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता और 20 अन्य लोगों के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे। 598 पृष्ठों के अपने आदेश में न्यायालय ने कहा, वर्तमान में उपलब्ध सामग्री से नीति को छिपाने, एकतरफा कार्रवाई करने या संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करने का प्रथम दृष्टया मामला सामने नहीं आता है। इसके विपरीत, रिकॉर्ड से पता चलता है कि प्रक्रिया परामर्श, संचार और प्रशासनिक सावधानी से संचालित थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सिसोदिया ने रवि धवन समिति की उस रिपोर्ट को नजरअंदाज कर दिया था जिसमें उत्पाद शुल्क नीति में विसंगतियों का उल्लेख किया गया था। न्यायालय ने कहा कि यह नीति पिछली उत्पाद शुल्क नीति की चुनौतियों को दूर करने के लिए बनाई गई थी, जिसमें वितरण मार्जिन में सुधार भी शामिल है, जो पिछली व्यवस्था के तहत एकाधिकार की प्रवृत्तियों और नियामक खामियों को दूर करने के प्रयासों को दशार्ता है।

पुडुचेरी में ट्राई ने की नेटवर्क की जांच, जियो सबसे तेज

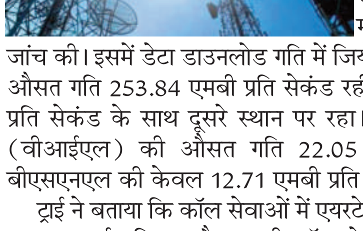

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने फरवरी में पुडुचेरी शहर और आसपास के इलाकों में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता जांच की। इसमें डेटा डाउनलोड गति में जियो सबसे आगे रहा, जिसकी औसत गति 253.84 एमबी प्रति सेकंड रही। एयरटेल 163.82 एमबी प्रति सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं वोडाफोन-आइडिया (वीआईएल) की औसत गति 22.05 एमबी प्रति सेकंड और बीएसएनएल की केवल 12.71 एमबी प्रति सेकंड रही।

ट्राई ने बताया कि कॉल सेवाओं में एयरटेल और वीआईएल ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया और उनकी कॉल सेटअप सफलता दर लगभग 100 प्रतिशत रही। जियो का प्रदर्शन मजबूत रहा (98.84 प्रतिशत), जबकि बीएसएनएल की सफलता दर अपेक्षाकृत कम रही (90.91 प्रतिशत)। कॉल ड्रॉप दर में एयरटेल और वीआईएल शून्य प्रतिशत पर रहे, जियो में 0.39 प्रतिशत और बीएसएनएल में 1.46 प्रतिशत कॉल ड्रॉप दर्ज किया गया।

अपलोड गति में एयरटेल सबसे आगे रहा, जिसकी औसत गति 27.94 एमबी प्रति सेकंड रही। इसके बाद वीआईएल 13.03 एमबी प्रति सेकंड, जियो 16.92 एमबी प्रति सेकंड और बीएसएनएल 5.11 एमबी प्रति सेकंड पर रहे। परीक्षण के दौरान कमजोर सिग्नल की स्थिति भी दर्ज की गई। एयरटेल में यह 1.17 प्रतिशत, बीएसएनएल में 6.93 प्रतिशत, जियो में 2.42 प्रतिशत और वीआईएल में 1.60 प्रतिशत रही। इस जांच में पुडुचेरी शहर के सेम्मंगलम, सेदरापेट, विलियानूर, लॉस्पेट, व्हाइट टाउन, मुथियालपेट, मुरुंगापक्कम, अरियानकुप्पम, थवलाकुप्पम, एम्बालम, बहौर, कन्नियाकोइल, कलापेट, पिल्लैचवाड़ी और बोम्मैयापालयम जैसे इलाकों में किया गया। साथ ही ऑरोबिंदो आश्रम, ऑरोविल, जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, हवाई अड्डा, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और राजीव गांधी महिला एवं बाल अस्पताल जैसे स्थलों पर भी नेटवर्क की स्थिति का आकलन किया गया।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

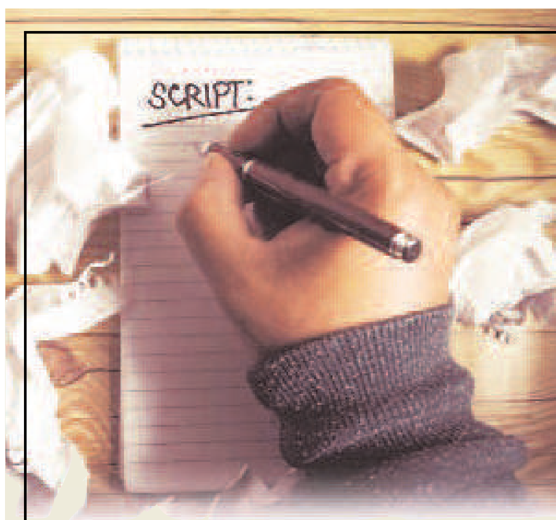

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं।

मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

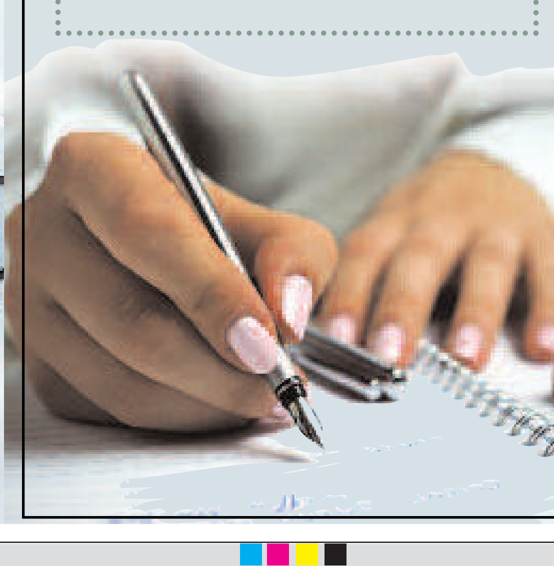

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।